दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik aslizadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्षः 22, अंकः 06 ■ दमण, मंगलवार 22, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

गृह मंत्री अमित शाह आज दिल्ली में राज्यों के एएनटीएफ प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार, 22 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर अमित शाह मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने वाले टेलीविजन कमर्शियल (टीवीसी) का विमोचन करेंगे तथा लखनऊ और देहरादून में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के नए जोनल कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखेंगे। कार्यक्रम के दौरान राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एएनटीएफ को भी सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा नए स्वरूप में तैयार एनसीबी की वेबसाइट का शुभारंभ भी किया जाएगा। एनसीबी द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एएनटीएफ प्रमुखों के साथ-साथ संबंधित सरकारी विभागों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में भारत सरकार देश के युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य रखा है और नशामुक्त भारत के निर्माण के बिना विकसित भारत का निर्माण संभव नहीं है। यह सम्मेलन देश की आने वाली पीढ़ियों को नशे के खतरे से बचाने के लिए एक सशक्त माध्यम के रूप में काम करेगा। ''समूहिक संकल्प, साझा दायित्व'' थीम पर आधारित यह सम्मेलन, हाल ही में नारकोटिक्स नियंत्रण के लिए जारी विज़न डॉक्यूमेंट (2026-29) में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एएनटीएफ के लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति और देशभर में मादक पदार्थों की तस्करी और नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए संबंधित हितधारकों द्वारा किए गए प्रयासों पर केंद्रित होगा। भारत सरकार द्वारा सप्लाई रिडक्शन, डिमांड रिडक्शन और हार्म रिडक्शन से संबंधित उपायों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उपयुक्त रणनीतियों की पहचान और उनके क्रियान्वयन से जुड़े मुद्दों पर भी सम्मेलन के दौरान प्रमुखता से विचार-विमर्श होगा।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य से दिल्ली में संघ प्रदेश थ्रीडी के भाजपा नेता विशाल टंडेल ने की औपचारिक मुलाकात

■ भाजपा नेता विशाल टंडेल ने ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य को गुलदस्ता भेंटकर नई जिम्मेदारी के लिए दी बधाई

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/ नई दिल्ली 21 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के भाजपा नेता विशाल टंडेल ने आज दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य से औपचारिक मुलाकात की। इस अवसर पर भाजपा नेता विशाल टंडेल ने ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य को गुलदस्ता भेंटकर उनका अभिवादन किया और नई जिम्मेदारी के लिए बधाई भी दी।

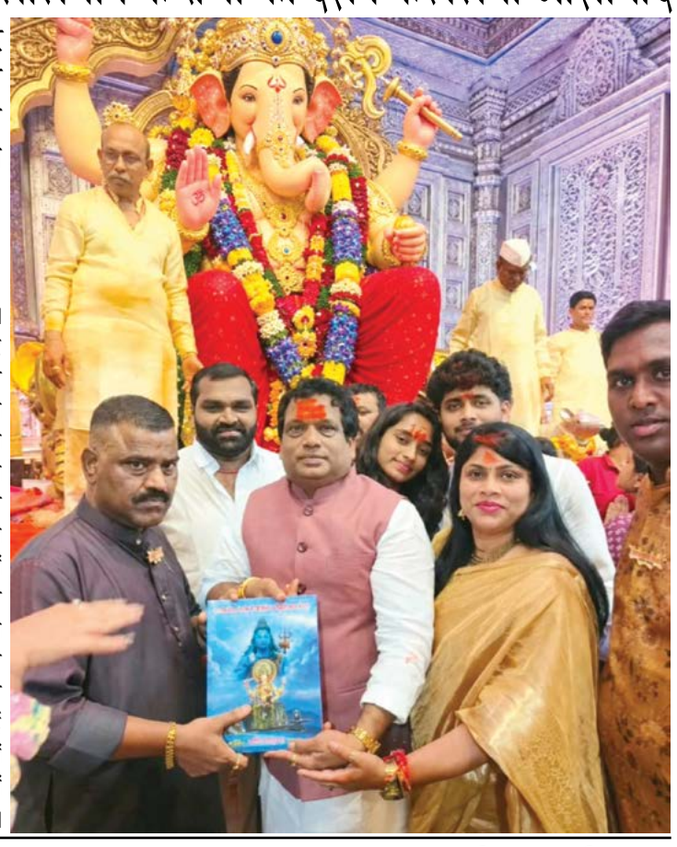

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल और दमण जिला पंचायत उपाध्यक्षा रीना पटेल ने लालबाग के राजा का दर्शन कर लिया आशीर्वाद

■ लालबाग के अध्यक्ष सुधीर शालवी और सचिव राजनभाई ने हरीश पटेल एवं रीना पटेल का किया स्वागत, भेंट की 2026 की बुक ■ हरीश पटेल और रीना पटेल पिछले कई सालों से लालबाग के राजा भगवान गणेश का दर्शन कर प्रदेश की सुख, शांति और समृद्धि के लिए करते हैं प्रार्थना

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, मुंबई/दमण 21 सितंबर। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल एवं दमण जिला पंचायत की उपाध्यक्षा रीना पटेल ने मुंबई स्थित प्रसिद्ध लालबाग के राजा के दर्शन किए। इस अवसर पर हरीश पटेल एवं रीना पटेल ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया तथा संघ प्रदेश एवं क्षेत्रवासियों की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। साथ ही गणपति बप्पा से सभी के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर हरीश पटेल के पुत्र एवं पुत्री भी मौजूद रहे। इस दौरान लालबाग के अध्यक्ष सुधीर शालवी और सचिव राजनभाई ने हरीश पटेल एवं रीना पटेल का स्वागत किया और 2026 की बुक भी भेंट की। उल्लेखनीय है कि मुंबई का लालबागचा राजा गणेशोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन करते हैं।

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने एकदंत ग्रुप के राजा गणपति बप्पा का दर्शन कर लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने आज नानी दमण के मशाल चौक विस्तार में एकदंत ग्रुप द्वारा स्थापित गणपति बप्पा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने विघ्नहर्ता भगवान गणेश का दर्शन कर देश एवं प्रदेश में सुख, शांति और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर एकदंत ग्रुप गणेश उत्सव संचालकों द्वारा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया का स्वागत किया गया। साथ ही भगवान गणेश के एकदंत की छवि भेंटकर सम्मानित किया गया।

भाजपा पदाधिकारियों एवं एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने जेटी के राजा भगवान गणेश की उतारी आरती

■ डीएमसी काउंसिलर अस्पी दमणिया, दमण जिला पंचायत के पूर्व प्रमुख नवीन पटेल एवं एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने गणपति बप्पा का लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 सितंबर। भाजपा पदाधिकारियों और एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने जेटी के राजा गणपति बप्पा का दर्शन करने पहुंचे थे। इस अवसर पर डीएमसी काउंसिलर अस्पी दमणिया, दमण जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष नवीन पटेल, विशालभाई और एबीवीपी के कार्यकर्ताओं तथा भाजपा के अन्य युवा अग्रणियों ने जेटी के राजा गणपति बप्पा की आरती उतारकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान जेटी ग्रुप के प्रमुख एवं काउंसिलर कल्पेश सीताराम एवं उनकी टीम द्वारा भाजपा पदाधिकारियों एवं एबीवीपी कार्यकर्ताओं का स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने प्रदेश एवं देश में सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए भगवान गणेश की प्रार्थना की।

सोमनाथ ग्राम पंचायत में 150 सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए, पासबुक वितरण एवं सम्मान समारोह आयोजित

■ सोमनाथ ग्राम पंचायत की सरपंच वर्षिका पटेल को सुकन्या समृद्धि योजना के प्रचार-प्रसार तथा बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए सुकन्या दीदी के रूप में किया गया सम्मानित ■ दमण में प्रधानमंत्री की सुकन्या समृद्धि योजना को प्रोत्साहन देने के लिए सेवा संकल्प अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 सितंबर। सोमनाथ ग्राम पंचायत में बालिकाओं के उज्जवल भविष्य एवं वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डीआईए हॉल में सुकन्या समृद्धि योजना पासबुक वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सोमनाथ ग्राम पंचायत के सहयोग एवं वित्तीय सहायता से 150 बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए तथा लाभार्थी बालिकाओं को पासबुक वितरित की गईं। कार्यक्रम के दौरान सोमनाथ ग्राम पंचायत की सरपंच वर्षिका पटेल को सुकन्या समृद्धि योजना के प्रचार-प्रसार तथा बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए सुकन्या दीदी के रूप में सम्मानित किया गया। वर्षिका पटेल द्वारा 2 वर्ष पहले भी दमण में घर-घर जाकर लोगों को सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में जागरूक किया गया था। उनके प्रयासों से अब तक 450 से अधिक बालिकाओं का सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खाते खोले जा चुके हैं। इतना ही नहीं अनेक बालिकाओं के खाते में पहले किस्त की रकम भी उन्होंने जमा कराई है। इस कार्यक्रम में वलसाड मंडल पोस्ट ऑफिस के अधीक्षक जयेश वशी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बालिकाओं की शिक्षा एवं भविष्य के लिए नियमित बचत की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने जमीनी स्तर तक सरकार समर्थित बचत योजनाओं को पहुंचाने में इंडिया पोस्ट की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर डीआईए प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल, वाइस प्रेसिडेंट आर. के. शुक्ला, वापी डाकघर उपमंडल निरीक्षक केयुर वाघेला, जनसंपर्क निरीक्षक डाकघर उमेश माह्यावंशी, वलसाड मंडल डीओ (पीएलआई) हार्दिक व्यास, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव कुणाल अहीर एवं प्रतीक भटकर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से इंडिया पोस्ट एवं सोमनाथ ग्राम पंचायत के संयुक्त प्रयासों से बालिकाओं के वित्तीय सशक्तिकरण, नियमित बचत तथा सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए की गई इस पहल की सराहना की।

पटना में कलयुगी बेटे ने मां को जिंदा जलाया, खुद को बताया भगवान

पटना (एजेंसी)। पटना में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ दीवान मोहल्ले में एक बेटे पर अपनी 60 वर्षीय माँ को जिंदा जलाकर मार डालने का आरोप है। मृतका की पहचान मंजू देवी के रूप में हुई है। आरोपी बेटा, चिंटू कुमार, जो ऑटो रिक्शा चलाता है, कथित तौर पर नशे का आदी है। आरोप है कि नशे की हालत में उसने अपनी माँ को घर के अंदर ही आग के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक मंजू देवी की मौत हो चुकी थी। जब पुलिस आरोपी चिंटू को गिरफ्तार करने पहुंची, तब आरोपी ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट भी की, लेकिन आखिरकार आरोपी को काबू किया गया। गिरफ्तारी के बाद भी उसकी हरकतें असामान्य थीं, वह पुलिस के सामने खुद को भगवान बताकर कह रहा था कि उसने ही अपनी माँ को मारा है। पुलिस ने मंजू देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आरोपी चिंटू कुमार से गहन पूछताछ कर रही है और इस खौफनाक हत्या के पीछे की सही वजह के साथ-साथ वारदात के समय सेवन किए गए नशे के प्रकार का भी पता लगाने में जुटी है।

ओडिशा पुलिस ने किया ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश

-1 करोड़ की धोखाधड़ी और 86 सिम जब्त

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा पुलिस ने बड़े अंतर-राज्यीय ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का पर्दाफाश कर छत्तीसगढ़ और झारखंड से इसके तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह पर लोगों को जमा राशि पर भारी रिटर्न का झूठा लालच देकर करीब 1 करोड़ की धोखाधड़ी करने का आरोप है। गंजाम जिले के छत्रपुर में साइबर पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए पालुरगढ़ से संचालित इस गिरोह के सदस्यों को दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान झारखंड के रामगढ़ के शत्रुघ्न कुमार पांडे (26) और छत्तीसगढ़ के धर्मदास माणिकपुरी (30) तथा जगदीश सेठी उर्फ सूरज (30) के रूप में हुई है। छत्रपुर साइबर पुलिस स्टेशन के इंचार्ज इंस्पेक्टर ने बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी एप चलाने और उन्हें बढ़ावा देने वाले एक गिरोह की सूचना मिलने पर एक घर पर छापा मारा गया। इस दौरान चार लोग मौजूद थे, जिनमें से दो भाग निकले और दो को मौके पर ही पकड़ा गया। शुरुआती पूछताछ में पकड़े गए लोगों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की और अन्य साथियों के नाम भी बताए, जिसके बाद शत्रुघ्न को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो लैपटॉप, एक क्रोमबुक, 78 एटीएम और अन्य कार्ड, 16 बैंक पासबुक, 14 स्मार्टफोन, 86 सिम कार्ड और एक बाइक सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। पुलिस ने जानकारी दी कि डिजिटल उपकरणों की जांच में कई ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी एप के इस्तेमाल का पता चला है, साथ ही भारी मात्रा में पैसों के लेन-देन के संकेत मिले हैं। पुलिस अब पैसों के पूरे लेन-देन, गिरोह के काम करने के तरीके और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए आगे की जांच और फॉरेंसिक विश्लेषण कर रही है।

आवारा पशु संबंधी एनएचएआई की याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की उस याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित करने पर सोमवार को सहमति जताई जिसमें देशभर में आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल बनाने के लिए उसे दिए गए निर्देश को चुनौती दी है। एनएचएआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष दलील दी कि न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने एनएचएआई को आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया था, जबकि यह जिम्मेदारी स्थानीय निकायों और प्रशासन की है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि एनएचएआई को देशभर में आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया गया है और प्राधिकरण के अनुमान के मुताबिक इसमें करीब 7,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने कहा, हमारा पक्ष यह है कि यह काम स्थानीय जिला प्रशासन को करना चाहिए। हम इसे पूरे देश के स्तर पर नहीं कर सकते। उन्होंने एनएचएआई की याचिका पर सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की विशेष पीठ के पुनर्गठन का भी अनुरोध किया। सॉलिसिटर जनरल ने पीठ से कहा, आवारा कुत्तों से जुड़ा एक मामला है।

दिल्ली की रोहिणी जेल में विचाराधीन कैदी की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की रोहिणी जेल में रविवार को एक विचाराधीन कैदी की हत्या कर दी गई। मृतक कैदी की पहचान प्रमोद के तौर पर हुई है, जिसे आर्म्स एक्ट के एक मामले में जेल भेजा गया था। बताया जा रहा है कि जेल के अंदर साथी कैदियों ने ही उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए प्रमोद को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गुजरात के 3 दिवसीय दौरे पर राष्ट्रपति, एकतानगर में पहली बार होगा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह

अहमदाबाद (ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 से 23 सितंबर तक गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति की यात्रा को लेकर राज्य प्रशासन ने सुरक्षा और अन्य सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी।

राष्ट्रपति मुर्मू 22 सितंबर को एकतानगर, केवड़िया में आयोजित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी और पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगी। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के 72 वर्ष के इतिहास में यह पहली बार है जब यह प्रतिष्ठित समारोह दिल्ली से बाहर गुजरात के एकतानगर में आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रपति 23 सितंबर को वडोदरा पहुंचेंगी, जहां वह महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा के 75वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके अलावा वह ब्रह्माकुमारीज के अभियान 'विश्व नवीनीकरण के लिए आध्यात्मिक जागृति' का शुभारंभ करेंगी। इसी अवसर पर राष्ट्रपति वडोदरा में 'ग्लोबल स्पिरिचुअल पैलेस' रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन भी करेंगी। साथ ही, ब्रह्माकुमारी नडियाद के अभियान 'युवा के लिए विकसित भारत : राष्ट्र निर्माण के लिए आंतरिक शक्ति जागृत करना' का वर्चुअली शुभारंभ करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इससे पहले 13 और 14 अप्रैल 2026 को गुजरात के दौरे पर आई थीं। 13 अप्रैल को उन्होंने राजकोट स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) के प्रथम दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया था और विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की थीं। 14 अप्रैल को उन्होंने गांधीनगर के लोक भवन में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित 'सामाजिक समरसता महोत्सव' में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की थी। इसी दिन उन्होंने गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में भी हिस्सा लिया था।

इस वर्ष राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में ममूटी और कार्तिक आर्यन को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया जा रहा है। वहीं यामी गौतम को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार के लिए चुना गया है। पुरस्कार समारोह में इन विजेताओं समेत भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कलाकारों और फिल्मकारों को सम्मानित किया जाएगा। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार का मुख्य समारोह 22 सितंबर को एकतानगर में आयोजित किया जाएगा। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगी। इस वर्ष के पुरस्कार वर्ष 2024 में भारतीय सिनेमा में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिए जा रहे हैं। इस बार का समारोह कई मायनों में ऐतिहासिक है। वर्ष 1954 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की शुरुआत के बाद पहली बार इस प्रतिष्ठित समारोह का आयोजन नई दिल्ली से बाहर किया जा रहा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की पहल के तहत राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह को देश के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने की दिशा में इस बार गुजरात के एकतानगर को मेजबानी का अवसर मिला है। विश्व पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना चुके एकतानगर में राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन से पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली वोटर लिस्ट में बड़ा अपडेट: आडवाणी, जयशंकर सहित दिग्गजों को मिले नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चौंकाने वाले अपडेट सामने आए हैं। कई प्रमुख हस्तियों को उनकी मतदाता जानकारी में मिली विसंगतियों के चलते नोटिस भेजा गया हैं। इसमें पूर्व उप-प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस.जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और चुनाव आयुक्त एस.एस.संधू जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह प्रक्रिया ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद सत्यापन चरण के तहत चल रही है। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक 33.13 लाख से अधिक मतदाताओं को उनके प्रगणन फॉर्म में दर्ज जानकारी में गड़बड़ी के कारण नोटिस जारी किए हैं। इन गड़बड़ियों में से कई मामले हैं जहाँ वर्तमान जानकारी 2002 में हुए पिछले एसआईआर के दौरान दर्ज डेटा से मेल नहीं खाती। यह दर्शाता है कि लंबे समय से मतदाता रिकॉर्ड में अपडेट की आवश्यकता थी। पूर्व उप-प्रधानमंत्री आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को 2002 की एसआईआर सूची से नाम मेल न खाने के कारण नोटिस मिले हैं। वहीं, विदेश मंत्री जयशंकर और उनकी पत्नी क्योको जयशंकर को भी पिछली एसआईआर सूची से मेल न खाने की श्रेणी में नोटिस भेजा गया है। पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश को उनके रिकॉर्ड में दर्ज सरकारी आवास के पते से संबंधित गड़बड़ी के लिए नोटिस दिए हैं। चुनाव आयुक्त संधू को उनके नाम में अंतर के कारण नोटिस मिला था, हालांकि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर ने स्पष्ट किया है कि संधू की प्रविष्टि पहले ही सत्यापित हो चुकी है और उनका नाम अंतिम सूची में शामिल किया जाएगा। इस सूची में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, विदेश सचिव विक्रम मिस्री, जेएनयू के पूर्व वीसी एम. जगदीश कुमार, नीति आयोग के पूर्व वाइस-चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया, सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद जैसे कई अन्य जाने-माने लोग भी शामिल हैं, जिन्हें मतदाता रिकॉर्ड में त्रुटियों के चलते नोटिस मिले हैं।

तीसरे मोर्चे की कवायद तेज: राष्ट्रीय स्तर पर डीएमके, यूपी में ओवैसी ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर गैर-बीजेपी और गैर-कांग्रेस दलों को साझा मंच पर लाने की कोशिशें अब तेज हुई हैं। इसमें आगामी विधानसभा चुनावों वाला उत्तर प्रदेश भी शामिल है। राष्ट्रीय स्तर पर तमिलनाडु की डीएमके पार्टी ने क्षेत्रीय राजनीतिक ताकतों से संपर्क साधना शुरु किया है। पार्टी की वरिष्ठ नेता कनिमोझी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले से बातचीत की है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दक्षिण भारत की कई अन्य पार्टियों से भी संपर्क साधा है, जिसका मुख्य उद्देश्य गैर-बीजेपी, गैर-कांग्रेस क्षेत्रीय ताकतों को एक मजबूत साझा मंच पर एकजुट करना है।

डीएमके की पहल तमिलनाडु के बदले हुए राजनीतिक समीकरणों की पृष्ठभूमि में सामने आई है। दरअसल, राज्य विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी ने अभिनेता थलपति विजय के नेतृत्व वाली टीवीके के साथ गठबंधन किया था। इस घटनाक्रम के बाद, डीएमके ने कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन को समाप्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। कांग्रेस और डीएमके के बीच अलगाव के बाद से ही तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी अब एक गैर-कांग्रेसी, गैर-बीजेपी गुट के गठन की तैयारी में जुट गई है, और इसी रणनीति के तहत कनिमोझी विभिन्न विपक्षी नेताओं से लगातार संवाद कर रही हैं।

वहीं, उत्तरप्रदेश में आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले इसी तरह की एक और कवायद जोरों पर है। एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद और यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य साझा राजनीतिक मंच बनाने पर गंभीर चर्चा कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार 27 सितंबर को लखनऊ में एक प्रेसवार्ता के दौरान गठबंधन की औपचारिक घोषणा की जा सकती है। इस संभावित गठबंधन में अपना दल (कमेरावादी) की प्रमुख पल्लवी पटेल को शामिल करने पर विचार हो रहा है।

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने हाल ही में पुष्टि की है कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने गठबंधन संबंधी फैसले की घोषणा 2 अक्टूबर तक करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है और राज्य में मुसलमानों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम हो रहा है। ओवैसी ने सुझाव दिया कि विपक्षी दलों को मिलकर काम करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार उत्तर प्रदेश विधानसभा में पहुंचने में सफल होने वाले हैं और एआईएमआईएम एक जैसी सोच वाले राजनीतिक समूहों के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

नहीं बनने देंगे भाजपा सरकार, किसी भी पार्टी से गठबंधन करने के लिए तैयार-ओवैसी

कानपुर । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानि एआईएमआईएम के सर्वेसर्वा असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार न बने, इसके लिए उनकी पार्टी किसी भी दल से गठबंधन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि गैर भाजपाई पार्टियों से गठबंधन के लिए बात चल रही है। दो अक्तूबर तक गठबंधन के लिए इंतजार कर रहे हैं। जिसके साथ गठबंधन होगा, उसी के साथ प्रदेश में एआईएमआईएम चुनाव लड़ेगी। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार रात में यहां बाबूपुरवा ईदगाह मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में मुसलमानों का विकास नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना बाबा, भइया कहकर दोनों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में मस्जिद और यहां बर्रा में कब्रिस्तान तोड़ना अराजकता है।

बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस का मोदी सरकार पर तंज: क्या हुआ तेरा वादा?

नई दिल्ली, एजेंसी।

खाद्य पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि बेलगाम महंगाई ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का जीना मुहाल किया है, लेकिन अच्छे दिन का वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस गंभीर मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 1977 की मशहूर हिंदी फिल्म हम किसी से कम नहीं के एक गाने का जिक्र कर मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, क्या हुआ तेरा वादा? वो कसम, वो इरादा? रमेश ने दावा किया कि बीते एक माह में मसालों, दालों और खाने के तेल सहित कई जरूरी खाद्य पदार्थों के दाम में 10 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है, इस मंहगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है।

उन्होंने बताया कि छोटी इलायची की कीमत 4,000 से बढ़कर 4,400 रुपये प्रति किलोग्राम, जबकि जावित्री 2,500 से बढ़कर 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम हुई है। दालों में, अरहर दाल की कीमत 100 से बढ़कर 130 रुपये प्रति किलोग्राम और उड़द दाल 120 से बढ़कर 140 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। सरसों तेल और सफोला तेल की कीमतों में भी क्रमशः 20 और 40 रुपये प्रति लीटर का उछाल आया है।

कांग्रेस नेता रमेश ने विशेष रूप से प्याज की कीमतों का हवाला देकर कहा कि जून से सितंबर के बीच इसकी अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 29.50 से बढ़कर 53.78 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जो लगभग 82.3 प्रतिशत की भारी वृद्धि है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बढ़ती महंगाई के कारण गरीब परिवारों के लिए दाल और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री खरीदना अब मुश्किल होता जा रहा है। कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री मोदी पर महंगाई के मुद्दे पर जानबूझकर चुप रहने का आरोप लगाकर सवाल किया, देश पूछ रहा है कि अच्छे दिन कहां गए प्रधानमंत्री मोदी जी? सिर्फ प्रवचनों में बचे हैं क्या? उन्होंने केंद्र सरकार की चुप्पी पर रोष व्यक्त कर पूछा, जनता भूखी रहे, मोदी सरकार चुप रहेजक्या यही है नया भारत?

एसआईआर : 37 लाख अपीलों को निपटाने में लगेंगे 12 साल

कोलकाता , एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के बाद, दोबारा नाम शामिल करने के लिए 37 लाख से अधिक अपीलें आई हैं। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मौजूदा गति से इन अपीलों का निपटारा करने में लगभग 12 साल का समय लग जाएगा। पिछले पांच महीने में मात्र 1 लाख 26 हजार मामलों का ही निपटारा हो पाया है। आयोग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, प्रति माह औसतन लगभग 25 हजार 238 मामलों का निपटारा हो रहा है, जिसमें शनिवार और रविवार की छुट्टियों को शामिल नहीं किया गया है। 16 सितंबर तक कुल 37,05,235 मामले लंबित हैं। इस गति से, यदि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित ट्राइब्यूनल सातों दिन बिना किसी छुट्टी के काम करता है, तो भी सभी अपीलें निपटाने में कम से कम 146 महीने, यानी लगभग 12 साल से अधिक का समय लगेगा। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि मौजूदा ढांचा और कर्मचारियों की संख्या इतनी बड़ी संख्या में मामलों को निपटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। आयोग ने ट्राइब्यूनल की संख्या 24 से बढ़ाकर 42 करने का सुझाव दिया है। इसके अतिरिक्त, न्यायिक अधिकारियों को घर से काम करने की सुविधा देने से भी प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने इन अपीलों के शीघ्र निपटारे को लेकर एक याचिका दायर की थी, जिसके जवाब में चुनाव आयोग ने ये जानकारी दी है। इस बीच, कांग्रेस ने इस अभियान की कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस ने रविवार को निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने को शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल (शाह के इशारे पर मतदाताओं के नाम हटाने की) प्रक्रिया और संविधान पर हमला करार दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि हटाए गए नामों में सबसे अधिक संख्या समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से सबसे कमजोर और वंचित वर्गों से आने वाले मतदाताओं की है।

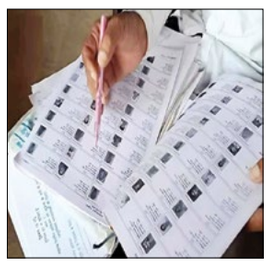

राजनीति 'अंडा अटैक' का बढ़ा ट्रेंड: पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ सिलसिला पंजाब तक पहुंचा

नई दिल्ली,, एजेंसी।

देश की राजनीति में विरोध प्रदर्शन का एक नया और हिंसक स्वरूप तेजी से पैर पसार रहा है। पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ नेताओं पर अंडा फेंकने (अंडा अटैक) का सिलसिला अब देश के अन्य राज्यों में भी पहुंच गया है। हाल ही में पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के काफ़िले पर हुए अंडा अटैक के बाद राजनीतिक हलकों में बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर गर्म हो गया है।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी की सरकार जाने के बाद से नेताओं पर अंडे से अटैक करने का सिलसिला तेजी से शुरू हुआ था, जिस पर लगातार चर्चाएं भी हो रहीं थीं। सरकार ने इसे रोके जाने और उचित कार्रवाई करने का कोई ठोस कदम भी नहीं उठाया, जिसका अब असर अन्य राज्यों में देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि पंजाब में नशे के खिलाफ निकाली जा रही एक यात्रा के दौरान भाजपा नेताओं और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के काफ़िले पर अंडे और टमाटर फेंके गए। घटना के बाद रवनीत बिट्टू ने मीडिया के सामने अंडे और टमाटर दिखाते हुए आम आदमी पार्टी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने इसे पंजाब सरकार और स्थानीय पुलिस की शह पर रचा गया प्रायोजित हमला करार दिया। वहीं दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी ने भी पश्चिम बंगाल की सरकार की ही तरह दावा किया है कि यह जनता का स्वाभाविक गुस्सा था, जो नेताओं के प्रति भड़का। इस बीच, आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने भी पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब जेड-प्लस सुरक्षा प्राप्त नेताओं की गाड़ियों पर हमले हो रहे हैं, तो राज्य में आम नागरिक कितना सुरक्षित होगा?

पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ था ट्रेंड

गौरतलब है कि नेताओं पर सार्वजनिक स्थलों या गाड़ियों पर अंडे फेंकने की घटनाएं सबसे पहले पश्चिम बंगाल में चर्चा में आई थीं। वहां सरकार जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा समेत कई नेताओं को अलग-अलग मौकों पर ऐसी घटनाओं का सामना करना पड़ा था। पश्चिम बंगाल की बैठकों, रैलियों और काफ़िलों पर अंडे फेंकने की इन घटनाओं को लेकर कई बार सुप्रीम कोर्ट तक में सवाल उठाए गए थे।

लोकतंत्र के लिए चिंताजनक ट्रेंड

विश्लेषकों का मानना है कि चाहे पश्चिम बंगाल हो या पंजाब, किसी भी राज्य में नेताओं पर इस प्रकार के हमले लोकतंत्र में स्वस्थ विरोध का प्रतीक नहीं हैं। विरोध दर्ज कराने की आड़ में इस तरह के तरीके अपनाना न केवल कानून-व्यवस्था की पोल खोलता है, बल्कि राजनीतिक माहौल को भी खराब करता है। अंडा और टमाटर फेंकने की यह राजनीति अब देश के अन्य राज्यों में भी एक खतरनाक ट्रेंड का रूप लेती दिख रही है, जिस पर सभी राजनीतिक दलों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार करने की आवश्यकता है।

दीव जिला मजिस्ट्रेट ने किरायेदारों, प्रवासियों, आगंतुकों एवं कर्मचारियों के पुलिस सत्यापन संबंधी जारी किया आदेश

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 सितंबर। दीव जिला दंडाधिकारी राहुल देव बूरा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जनशांति, कानून-व्यवस्था एवं सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से एक आदेश जारी किया गया है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि दीव जिले में पर्यटन गतिविधियों में निरंतर वृद्धि के कारण देश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में प्रवासियों का आगमन हो रहा है। इसके फलस्वरूप चाल, लॉज, होटल, गेस्ट हाउस, आवासीय कॉलोनियों, दुकानों, ढाबों तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों सहित विभिन्न प्रकार के किराये के आवास एवं कार्यस्थलों का संचालन बढ़ा है। यह भी देखा गया है कि अनेक स्थानों पर प्रवासियों, किरायेदारों, आगंतुकों, अतिथियों एवं कर्मचारियों को बिना समुचित पहचान एवं चरित्र सत्यापन के ठहराया या नियोजित किया जा रहा है। असामाजिक तत्वों द्वारा ऐसे स्थानों का दुरुपयोग करने की प्रबल आशंका हो सकती है, जिससे सार्वजनिक शांति भंग होने, कानून-व्यवस्था प्रभावित होने तथा जन एवं संपत्ति की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की संभावना है। इन परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट द्वारा यह आदेश जारी किया है कि जिले के सभी मकान मालिक, होटल एवं गेस्ट हाउस संचालक, लॉज प्रबंधक, औद्योगिक इकाइयों के स्वामी तथा अन्य संबंधित प्रतिष्ठानों के प्रबंधक अपने यहां ठहरने वाले अथवा कार्यरत सभी प्रवासियों, किरायेदारों, आगंतुकों, अतिथियों एवं कर्मचारियों के आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस अथवा अन्य वैध पहचान दस्तावेजों की प्रतियां प्राप्त कर उनका अभिलेख सुरक्षित रखें। साथ ही संबंधित व्यक्तियों का पुलिस सत्यापन दीव पुलिस के डीडीडीपी सुरक्षा ऐप अथवा संबंधित पुलिस थाना/चौकी के माध्यम से इस आदेश की तिथि से 15 दिनों के भीतर कराना अनिवार्य किया गया है। भविष्य में बिना पुलिस सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को किराये पर आवास उपलब्ध कराने अथवा रोजगार देने से भी प्रतिबंधित किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा पुलिस अधीक्षक दीव को पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया को सरल, त्वरित एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने हेतु निदेश दिया गया है। आदेश में उल्लिखित है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से 21/09/2026 से 19/11/2026 तक 60 दिनों (दोनों दिन शामिल) की अवधि हेतु लागू रहेगा जब तक कि इसे निर्धारित अवधि से पहले वापस न ले लिया जाए। आदेश में यह भी निर्देश दिया गया है कि इस आदेश का उल्लंघन करने वाला कोई भी व्यक्ति भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 के अंतर्गत दंड का भागी होगा। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों, मकान मालिकों एवं प्रतिष्ठान संचालकों से आदेश का पूर्ण पालन करने की अपील की है। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दीव जिले में सार्वजनिक स्थलों पर शराब के सेवन पर लगाया गया प्रतिबंध

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 सितंबर। दीव जिला समाहर्ता एवं जिलाधीश राहुल देव बूरा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के अंतर्गत दीव में कानून व व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से सार्वजनिक स्थलों पर शराब के सेवन एवं इस पर रोकथाम के संबंध में आदेश पारित करते हुए निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत यह उल्लेख किया गया है कि बड़ी संख्या में लोगों द्वारा शराब दुकानों से शराब खरीद कर शराब दुकानों के सामने तथा सार्वजनिक स्थलों पर शराब का सेवन किया जा रहा है। साथ ही दीव जिले में समुद्र तटीय क्षेत्रों में शराब की बोतलें यहां-वहां फेंकने तथा कांच की बोतलों को तोड़ने एवं शराब पीकर अभद्र, हिंसक तथा आपराधिक गतिविधियां करने मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसके फलस्वरूप आम नागरिकों को समुद्र तटीय क्षेत्रों या उसके आस-पास जाने में परेशानी हो रही है तथा शराब पीकर अभद्र एवं उपद्रवी व्यवहार के कारण कई नागरिकों को समुद्र तटीय क्षेत्रों में अपने परिवार के साथ जाने में भय हो रहा है। सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने के कारण सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति के हानि होने तथा झगड़ा होने एवं लोगों को चोट लगने या किसी की मौत होने की आशंका बनी रहती है और इससे कानून एवं व्यवस्था को बनाये रखने में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मानव जन-जीवन तथा सार्वजनिक और निजी संपत्ति के प्रति किसी भी प्रकार की हानि तथा अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा तीव्र एवं कारगर कदम उठाते हुए दीव जिला समाहर्ता एवं जिलाधीश राहुल देव बूरा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के अंतर्गत कानून व व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से सख्त अनुपालन हेतु यह आदेश जारी किया है कि दीव जिला समाहर्ता एवं जिलाधीश द्वारा विशेष समारोह की अनुमति जारी किए बिना तथा दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव आबकारी शुल्क अधिनियम, 1964 द्वारा प्रदत्त अनुमति के बिना घोघला बीच, घोघला जेटी, बंदर जेटी , दीव, जेठीबाई बस स्टैण्ड, दीव फोर्ट, सेण्ट पोल चर्च, जलंधर बीच, आईएनएस खुकरी, चक्रतीर्थ बीच, गंगेश्वर मंदिर फुदम, नागवा बीच, पोठिया दादा मंदिर, गोमती माता बीच तथा अन्य आम सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीना गैरकानूनी है। इसके तहत गोवा, दमण एवं दीव आबकारी शुल्क अधिनियम 1964 द्वारा अनुमति प्रदत्त कोई लाईसेंसीकृत परिसर शामिल नहीं है। आदेश में उल्लिखित है कि यह आदेश तत्-काल प्रभाव से 21/09/2026 से 19/11/2026 तक 60 दिनों (दोनों दिन शामिल) की अवधि हेतु लागू रहेगा जब तक कि इसे निर्धारित अवधि से पहले वापस न ले लिया जाए।

TORRENT POWER | DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क मेंटेनेंस की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया हैं। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
२२-०९-२०२६ (मंगलवार) सुबह ९:०० बजे से अगले दिन सुबह ९:०० बजे तक (२४ घंटे)	६६/११ केवी दलवाडा	११ केवी पॉलीकैब फीडर	पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड
		११ केवी भारत फीडर	भारत इंडस्ट्रियल एस्टेट, सुपर निट इंड.
		११ केवी सिल्वर फीडर	सिल्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट
		११ केवी पीवीडी फीडर	PVD प्लास्ट इंड., मार्स पैकेजिंग, राधा माधव इंडस्ट्रीज बंसवाड़ा इंडस्ट्रीज, सुप्रीम ट्रेव्स इंड.
		११ केवी दमनपॉलीथ्रेड + पीवीएन फीडर	दमन पॉलीथ्रेड लिमिटेड, कंडुई इंड. प्रा. लि. (PVN)
२३-०९-२०२६ (बुधवार) सुबह ९:०० बजे से अगले दिन सुबह ९:०० बजे तक (२४ घंटे)		११ केवी स्कोट कैसा फीडर	स्कोट कैसा इंड.
		११ केवी सुप्रीम फीडर	सुप्रीम इंडस्ट्रियल एस्टेट, केसर इंडस्ट्रियल एस्टेट
		११ केवी ब्लॉसम फीडर	मेसर्स ब्लॉसम इंड. लिमिटेड
		११ केवी बासुकीनाथ फीडर	प्लास्टिब्लेंड्स इंडिया लिमिटेड, महाराष्ट्र प्लास्टिक इंड.
		११ केवी फाइबर वेब फीडर	फाइबर वेब इंडिया प्रा. लि.
२४-०९-२०२६ (गुरुवार) सुबह ९:०० बजे से अगले दिन सुबह ९:०० बजे तक (२४ घंटे)		११ केवी सुजलॉन फीडर	दमन इंडस्ट्रियल एस्टेट, कड़ैया इंडस्ट्रियल एस्टेट
		११ केवी जयशिंग फीडर	पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड
		११ केवी एविग्लोबल फीडर	एवी ग्लोबल प्लास्ट प्रा. लि.
		११ केवी एनरकोन फीडर	सिल्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट, कंडोई यूनिट इंडस्ट्रीज
		११ केवी पारस फीडर	पारस लुब्रिकेंट्स लिमिटेड, मेसर्स यश पॉली इंड. प्रा. लि.
२५-०९-२०२६ (शुक्रवार) सुबह ९:०० बजे से अगले दिन सुबह ९:०० बजे तक (२४ घंटे)		११ केवी पॉलीकैब फीडर	पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड
		११केवी भारत फीडर	भारत इंडस्ट्रियल एस्टेट, सुपर निट इंड.
		११केवी सिल्वर फीडर	सिल्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट
		११केवी पीवीडी फीडर	PVD प्लास्ट इंडस्ट्रीज, मार्स पैकेजिंग, राधा माधव इंडस्ट्रीज, बंसवाड़ा इंड., सुप्रीम ट्रेव्स इंड.
		११केवी दमनपॉलीथ्रेड + पीवीएन फीडर	दमन पॉलीथ्रेड लिमिटेड, कंडुई इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (PVN)
२६-०९-२०२६ (शनिवार) सुबह ९:०० बजे से अगले दिन सुबह ९:०० बजे तक (२४ घंटे)		११ केवी स्कोट कैसा फीडर	स्कोट कैसा इंड.
		११ केवी सुप्रीम फीडर	सुप्रीम इंडस्ट्रियल एस्टेट, केसर इंडस्ट्रियल एस्टेट
		११केवी ब्लॉसम फीडर	मेसर्स ब्लॉसम इंड. लिमिटेड
		११केवी बासुकीनाथ फीडर	प्लास्टिब्लेंड्स इंडिया लिमिटेड, महाराष्ट्र प्लास्टिक इंड.
		११केवी फाइबर वेबफीडर	फाइबर वेब इंडिया प्रा. लि.
२७-०९-२०२६ (रविवार) सुबह ९:०० बजे से अगले दिन सुबह ९:०० बजे तक (२४ घंटे)		११केवी सुजलॉन फीडर	दमन इंडस्ट्रियल एस्टेट, कड़ैया इंडस्ट्रियल एस्टेट
		११केवी जयशिंग फीडर	पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड
		११केवी एविग्लोबल फीडर	एवी ग्लोबल प्लास्ट प्रा.लि.
		११केवी एनरकोन फीडर	सिल्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट, कंडोई यूनिट इंड.
		११ केवी पारस फीडर	पारस लुब्रिकेंट्स लिमिटेड, मेसर्स यश पॉली इंड. प्रा. लि.

असुविधा के लिए खेद है

आरसीसीबी/ईएलसीबी का प्रमुख लाभ
आपके परिवार की सुरक्षा का वादा
अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर स्थापित करें और सुरक्षित रहें
एक छोटी सी डिवाइस आपको बिजली के झटके से बचाएगी

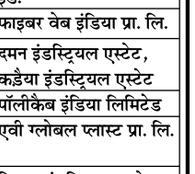

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

CHANGE OF NAME

OLD NAME - JAYEETA DAS
NEW NAME - JAYITA DAS
PHONE NO. 9898354760
ADDRESS:- G1/702, JAS LUXURIA, NAROLI SILVASSA MAIN ROAD, SILVASSA, DADRA & NAGAR HAVELI, 396230

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM OLD NAME: VENCI MAHESHBHAI PATEL **TO NEW NAME: VENCI MAHESH PATEL.**
RESIDENT OF H.NO 18/1, GHELWAD FALIA, DABHEL, DAMAN, DAMAN AND DIU-396210

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 09/10/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-0006192026
C.M.A. No. 346/2026

Kantilal Maugi & 1 Anr ..... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. ..... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 145/1988, dated: 14/07/1988.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 10/09/2026

CIVIL JUDGE, S.D. COURT DIU

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

आईआईटी वडोदरा ने दीव में इंडस्ट्री-एकेडेमिया मीट 2026 का किया आयोजन

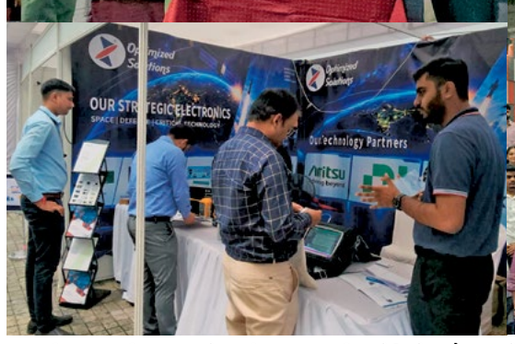

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 21 सितंबर। आईआईटी वडोदरा ने 19 और 20 सितंबर को दीव के ऑडिटोरियम में इंडस्ट्री-एकेडेमिया मीट-2026 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की मेजबानी केवडी में स्थित इसके इंटरनेशनल कैंपस और एजुकेशन हब ने की। इस इवेंट का मुख्य मकसद इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों, एकेडमिक संस्थानों, स्टार्टअप्स, सरकारी एजेंसियों और छात्रों को एक मंच पर लाना था, ताकि असल दुनिया की औद्योगिक चुनौतियों के लिए टेक्नोलॉजी-आधारित समाधान विकसित किए जा सकें और साथ ही टैलेंट और लंबे समय की पार्टनरशिप को बढ़ावा दिया जा सके। इसमें टेक समाधान, सेमीकंडक्टर सेक्टर, स्टार्टअप्स और डीप-टेक के भविष्य जैसे कई विषयों पर पैनल चर्चाएं हुईं। इसके अलावा, इवेंट में मुख्य भाषण, एक रिसर्च लैबोरेटरी का उद्घाटन, सागर सेंटर की शुरुआत, पोस्टर और डेमो सेशन, इंडस्ट्री शोकेस और आईआईटी वडोदरा पार्टनरशिप अवार्ड्स का प्रेजेंटेशन भी शामिल था। सौराष्ट्र और गुजरात के तटीय इलाकों पर केंद्रित एक खास राउंडटेबल चर्चा में क्षेत्रीय इनोवेशन, इंडस्ट्री-सरकार-एकेडेमिया के बीच सहयोग और भविष्य की पार्टनरशिप पर बातचीत हुई। इस इवेंट में इंडस्ट्री और एकेडमिक सेक्टर के एक्सपर्ट्स, रिसर्चर्स, छात्रों और स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। आईआईटी वडोदरा द्वारा आयोजित इस दो-दिवसीय कार्यक्रम में एकेडेमिया और इंडस्ट्री के बीच सहयोग को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

दुधनी छात्रावास में नशा मुक्त युवा, विकसित भारत-राष्ट्रीय संकल्प समारोह का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में स्वस्थ, सशक्त, जागरूक एवं उद्देश्यपूर्ण युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी भावना के साथ मेरा युवा भारत सिलवासा द्वारा दुधनी स्थित छात्रावास में नशा मुक्त युवा, विकसित भारत-राष्ट्रीय संकल्प समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 100 सप्ताह के संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा एक स्वस्थ, सशक्त और नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी युवाओं एवं प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने की शपथ ली। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशामुक्ति का प्रभावी संदेश प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक के जरिए युवाओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्त युवा, विकसित भारत विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने रचनात्मक नारों के माध्यम से नशामुक्त भारत के प्रति अपने विचार व्यक्त किए। मेरा युवा भारत सिलवासा द्वारा दुधनी छात्रावास में आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से नशामुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में जनजागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास रहा।

दीव जिले के बैंकों एवं एटीएमों पर सशस्त्र प्रहरियों की तैनाती के दिये गये निर्देश

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 सितंबर। दीव जिला समाहर्ता एवं जिलाधीश राहुल देव बूरा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के अंतर्गत दीव में कानून व व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से दीव के सभी बैंकों एवं एटीएमों तथा इनका उपयोग करने वाले आम नागरिकों को समाज-विरोधी तत्वों से सुरक्षा के संबंध में आदेश पारित करते हुए निर्देश जारी किया गया है क्योंकि ऐसे समाज-विरोधी तत्वों के कारण सार्वजनिक शांति भंग होने और जान-माल की हानि की आशंका बनी रहती है। इसके तहत यह उल्लेख किया गया है कि बैंकों एवं एटीएमों की संवेदनशील प्रकृति के मद्देनजर इनका उपयोग करने वाले आम नागरिकों की सुरक्षा हेतु बैंकों एवं एटीएमों की सशस्त्र प्रहरियों द्वारा चौबीसों घंटें सुरक्षा किया जाना आवश्यक है। मानव जन-जीवन तथा सार्वजनिक और निजी संपत्ति के प्रति किसी भी प्रकार की हानि तथा अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा तीव्र एवं कारगर कदम उठाते हुए दीव जिला समाहर्ता एवं जिलाधीश राहुल देव बूरा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के अंतर्गत कानून व व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से सख्त अनुपालन हेतु यह आदेश जारी किया है कि दीव के सभी बैंक तत्काल पभाव से अपने बैंको व एटीएमों की सशस्त्र प्रहरियों द्वारा चौबीसों घंटें सुरक्षा या पूर्ण सुरक्षा प्रणाली सुनिश्चित करेंगे। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि यह आदेश तत्-काल प्रभाव से दिनांक 21/09/026 से 19/11/2026 तक 60 दिनों (दोनों दिन शामिल) की अवधि हेतु लागू रहेगा जब तक कि इसे निर्धारित अवधि से पहले वापस न ले लिया जाए। इस आदेश का उल्लंघन करने वाला कोई भी व्यक्ति भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंड का भागी होगा।

22 सितंबर को 18 राज्यों में बारिश का अनुमान, बंगाल-ओडिशा में भारी बारिश; दिल्ली में बढ़ेगी उमस

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई के बीच कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 22 सितंबर 2026 के लिए 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ में कई जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। यह निम्न दबाव क्षेत्र अगले 48 घंटे में और गहरा हो सकता है। दिल्ली-एनसीआर में फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है। 22 सितंबर को आसमान साफ रहने और तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। बारिश नहीं होने से उमस बढ़ सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में 26 सितंबर तक बारिश की संभावना कम है। उत्तर प्रदेश में 22 सितंबर को मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। राज्य में 23 सितंबर के बाद बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। बिहार में कुछ स्थानों पर हल्की और छिटपुट बारिश हो सकती है, लेकिन 22 सितंबर को भारी बारिश या तेज हवाओं का अलर्ट नहीं है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और झाड़ग्राम में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। तटीय इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। तमिलनाडु के 21 जिलों में भी भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा ओडिशा, झारखंड, गोवा, कर्नाटक और केरल में भारी बारिश, जबकि महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है।

इस बार भी मोदी नहीं जाएंगे संयुक्त राष्ट्र महासभा, जयशंकर ही संभालेंगे मोर्चा, क्या ट्रंप से आमना-सामना नहीं चाहते पीएम?

नीरज कुमार दुबे

जयशंकर की यात्रा का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि भारत-अमेरिका संबंध इस समय कई कठिन सवालों से गुजर रहे हैं। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाने की व्यवस्था ने नई दिल्ली की ऊर्जा सुरक्षा और वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों के बीच तनाव पैदा किया है।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 21वें सत्र की शुरूआत के साथ ही भारत की कूटनीतिक सक्रियता तेज हो गई है। इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। जयशंकर 26 सितंबर को महासभा को संबोधित करेंगे और इस दौरान कई देशों के नेताओं तथा विदेश मंत्रियों के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकें भी करेंगे। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, ऊर्जा संकट, व्यापारिक टकराव और बदलते शक्ति संतुलन से जूझ रही है तब इस सत्र से काफी उम्मीदें की जा रही हैं।

हम आपको बता दें कि इस सत्र में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और वरिष्ठ प्रतिनिधि जुट रहे हैं। इस बार का केंद्रीय विषय है, विश्वास बहाल करना, बदलाव को संभालना और ऐसा संयुक्त राष्ट्र बनाना जो सभी के लिए परिणाम दे। महासचिव अंतोनियो गुतारेस ने वैश्विक नेताओं से शांति, गरिमा, न्याय और मानवता के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने की अपील की है। यह उनके कार्यकाल का अंतिम महासभा सत्र भी है। ऐसे माहौल में भारत के सामने अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं को बेहद स्पष्ट और मजबूती से रखने का अवसर है।

देखा जाये तो जयशंकर की यात्रा का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि भारत-अमेरिका संबंध इस समय कई कठिन सवालों से गुजर रहे हैं। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाने की व्यवस्था ने नई दिल्ली की ऊर्जा सुरक्षा और वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों के बीच तनाव पैदा किया है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी कानून राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने की शक्ति देता है। लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता अपने लगभग एक अरब चालीस करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है और वह

अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा की आपूर्ति जारी रखेगा।

यहीं से जयशंकर की न्यूयॉर्क यात्रा का असली सामरिक महत्व सामने आता है। भारत को एक साथ रूस के साथ अपने ऊर्जा और सामरिक संबंधों, अमेरिका के साथ व्यापार और सुरक्षा साझेदारी तथा ग्लोबल साउथ की चिंताओं को साधना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा इस संतुलन को साधने के लिए सबसे बड़ा कूटनीतिक मंच उपलब्ध कराती है। जयशंकर की दर्जनों मुलाकातों में ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, विकास और ग्लोबल साउथ के मुद्दे स्वाभाविक रूप से प्रमुख रहेंगे।

इसके अलावा, भारत के लिए इस महासभा का एक अहम उद्देश्य 2028 से शुरू होने वाले दो वर्षीय कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता हासिल करने के समर्थन में विभिन्न देशों को साथ लाना भी है। इसके लिए जयशंकर अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों के सामने भारत का छह सूत्रीय घोषणापत्र रखेंगे और सुरक्षा परिषद में भारत की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करेंगे। साथ ही, ग्लोबल साउथ के देशों के विकास में भारत की भूमिका, आर्थिक एवं मानवीय सहायता तथा संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं के माध्यम से चलाए जा रहे कार्यक्रमों पर भी चर्चा होगी। पिछले वर्ष महासभा के दौरान जयशंकर ने 47 द्विपक्षीय और 10 बहुपक्षीय बैठकें की थीं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार भी भारत की कूटनीतिक गतिविधियां कितनी व्यापक रहने वाली हैं।

उधर, कूटनीतिक हलकों में संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैरमौजूदगी को लेकर सवाल उठ रहा है। उल्लेखनीय है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र को चार बार यानि 2014, 2019, 2020 और 2021 में संबोधित किया। 2020 में महामारी के कारण उनका संबोधन पहले से रिकॉर्ड वीडियो के माध्यम से हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल को देखें तो स्थिति और भी स्पष्ट है। 2024 में मोदी न्यूयॉर्क गए और भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित किया, लेकिन महासभा की सामान्य बहस में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य विदेश मंत्री जयशंकर ने दिया। 2025 में भी सामान्य बहस में भारत का प्रतिनिधित्व जयशंकर ने किया और अब 2026 में भी भारत की कमान विदेश मंत्री के हाथ में है। इस तरह तीसरे कार्यकाल में अब तक मोदी ने महासभा की सामान्य उच्चस्तरीय बहस को अब तक संबोधित नहीं किया है।

सवाल उठ रहा है कि क्या मोदी अमेरिका इसलिए नहीं जा रहे ताकि ट्रंप से मुलाकात से बच सकें? देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव जरूर है और रूसी तेल तथा अमेरिकी शुल्क का विवाद गंभीर है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जून 2026 में फ्रांस में हुई मुलाकात में दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी। इसलिए केवल संयुक्त राष्ट्र महासभा में मोदी की गैरमौजूदगी को ट्रंप से मुलाकात से बचने की रणनीति के रूप में देखा जाना गलत होगा।

बहरहाल, न्यूयॉर्क में जयशंकर का संबोधन केवल संयुक्त राष्ट्र में भारत का भाषण नहीं होगा। यह संदेश देने का अवसर होगा कि भारत दबावों के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक स्वायत्तता, ग्लोबल साउथ की आवाज और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका, इन चारों लक्ष्यों को एक साथ आगे बढ़ाना चाहता है। महासभा के मंच से भारत की कूटनीति की धार इसी संतुलन और दृढ़ता से दिखाई देगी।

संपादकीय

असुविधाओं की रेल

वैसे तो दावे किए जाते रहे हैं कि भारतीय रेलवे को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है, लेकिन हकीकत निराश करने वाली है। विडंबना यह है कि तमाम मुश्किलों में सफर करने वाला यात्री शिकायत दर्ज कराने के बजाय अपने गंतव्य स्थान पर पहले पहुंचना चाहता है। जिसके चलते सभी खामियों के साथ भारतीय रेल ढर्रे पर ही चल रही है। पिछले महीने संसद में पेश कैग की रिपोर्ट में सैकड़ों रेलवे स्टेशनों में पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी का उल्लेख किया गया था। यहां तक कि पेयजल में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले जीवाणु पाये जाने की बात कही गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि 89 फीसदी स्टेशनों में बैठने की पर्याप्त जगह, पंखे, मार्गदर्शन करने वाले चिन्हों तथा शौचालय आदि बुनियादी सुविधाओं की कमी थी। कैग की रिपोर्ट की पुष्टि करती हुई लोक लेखा समिति ने भी अपनी पड़ताल में कई स्टेशनों में पेयजल, पंखे, बैठने के सुविधाजनक स्थान आदि पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न होने की बात कही है। समिति ने रेलवे अधिकारियों से जवाब मांगा है। यूं तो देश के कई रेलवे स्टेशनों को सजाने-संवारने का काम जरूर हुआ है, लेकिन कई स्थानों पर निर्धारित समय पूरा होने के बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है। जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्या देश में कोई ऐसा नियामक तंत्र नहीं जो निर्माण कार्य करवाने वाली कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई कर सके? आधे-अधूरे निर्माण कार्य की गफलत में दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

यूं तो भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क है। लेकिन सुविधाओं के नाम पर हम कहां टिकते हैं? पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में यात्री ट्रेन के रुकने पर उतरकर स्टेशन पर भटकते नजर आते हैं। दुकानदार भी बोतलबंद पानी बेचने के लिये पेयजल व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करते देखे जाते हैं। किसी ट्रेन के जनरल डिब्बे में भेड़-बकरियों की तरह भरे यात्री कैसे सफर पूरा करते होंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। ट्रेन के भीतर शौचालयों की बुरी स्थिति देखकर यात्री मन मारकर उनका प्रयोग करते हैं। निश्चय ही रेलवे की निगरानी व्यवस्था खासी लचर है। ऐसा लगता है कि किसी की जवाबदेही ही तय नहीं हुई। वहीं बड़ी संख्या में यात्री भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं करते। यहां-वहां बिखरा कूड़ा इसकी गवाही देता है। हमारे समाज में उस स्वच्छता चेतना का विकास नहीं हो पाया है, जो आजादी के आठवें दशक में हो जानी चाहिए थी। आखिर हम कब एक जिम्मेदार नागरिक की तरह रेलवे स्टेशनों व रेल के डिब्बों के भीतर साफ-सफाई रखना अपना कर्तव्य मानेंगे। लेकिन इसके बावजूद रेलवे को एक ऐसा जवाबदेह तंत्र विकसित करना होगा जो यात्रियों को बुनियादी सुविधा उपलब्ध करा सके। दरअसल, रेल मंत्रालय हासिल करने और अपने चुनावी क्षेत्र के लोगों को रेलवे में भर्ती करने को लेकर दशकों तक जो राजनीति चलती रही है, उसने भी किसी हद तक रेलवे व्यवस्था की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। बहरहाल, अब यह तसवीर बदलनी चाहिए।

चिंतन-मनन

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शास्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं। इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्नोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा।

भारत में डेंगू वैक्सीन की दस्तक: बीमारी के खिलाफ नई उम्मीद

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में डेंगू लंबे समय से एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू के मामले सामने आते हैं और कई लोगों की जान भी चली जाती है। बदलते मौसम, शहरीकरण, जलभराव और मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल परिस्थितियों के कारण डेंगू का दायरा लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं इसका आतंक बड़े बड़े शहरों में अधिक है, ऐसे समय में डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में उपलब्ध होने की खबर निश्चित रूप से उम्मीद जगाती है। यदि सब कुछ तय प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ता है तो देश में पहली डेंगू वैक्सीन के रूप में टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स की क्यूडेंगा आने वाले वर्षों में लोगों के लिए उपलब्ध हो सकती है।

जापानी कंपनी टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स और हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बीच हुआ समझौता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते के तहत डॉ. रेड्डीज भारत के निजी बाजार में टेकेडा की क्यूडेंगा वैक्सीन के प्रमोशन और वितरण की जिम्मेदारी निभाएगी। कंपनियों के अनुसार, वैक्सीन को 2027 की पहली छमाही में भारत में लॉन्च किए जाने की संभावना है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक स्थानीय नियामकीय और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को पूरा करना अभी बाकी है। डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में प्रवेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक इस बीमारी से बचाव का मुख्य आधार मच्छरों की रोकथाम, साफ-सफाई और संक्रमित व्यक्ति की समय पर चिकित्सकीय देखभाल ही रहा है। डेंगू के लिए कोई ऐसी व्यापक रूप से उपलब्ध दवा नहीं है जो संक्रमण को सीधे खत्म कर सके। ऐसे में रोकथाम के लिए वैक्सीन की उपलब्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में एक नया विकल्प जोड़ सकती है।

हालांकि, किसी भी नई वैक्सीन को लेकर उत्साह के साथ-साथ कुछ बुनियादी सवालों पर गंभीरता से विचार करना भी जरूरी है। सबसे पहला सवाल इसकी कीमत का है। फिलहाल क्यूडेंगा की भारत में कीमत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। टेकेडा के इंटरकॉन्टिनेंटल मार्केट्स के प्रमुख महेंद्र नायक के अनुसार, भारत में मार्केटिंग ऑथराइजेशन की मंजूरी मिलने के बाद अभी स्थानीय प्रक्रियाओं को पूरा करना प्राथमिकता है। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने से पहले वैक्सीन की कीमत का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी।

कीमत का सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डेंगू केवल महानगरों या संपन्न वर्ग की समस्या नहीं है। इसका प्रभाव छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक दिखाई देता है। यदि वैक्सीन निजी बाजार में आती है और इसकी कीमत आम परिवारों की पहुंच से बाहर रहती है, तो इसका लाभ सीमित आबादी तक ही सिमट सकता है। इसलिए वैक्सीन की उपलब्धता जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी सामर्थ्य भी है। यहां सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कंपनियों ने संकेत दिया है कि क्यूडेंगा को भारत के सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करना एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। निजी बाजार में वैक्सीन की उपलब्धता शुरूआती चरण हो सकती है, लेकिन व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव तभी संभव होगा जब जरूरत और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर इसे सरकारी टीकाकरण व्यवस्था में शामिल करने पर विचार किया जाए।

किसी वैक्सीन को सार्वजनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाने का निर्णय केवल उसकी उपलब्धता के आधार पर नहीं होता। इसके लिए बीमारी का बोझ, वैक्सीन की प्रभावशीलता, सुरक्षा, अलग-अलग आयु समूहों में उसका प्रदर्शन, लागत-प्रभावशीलता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर संभावित प्रभाव जैसे अनेक पहलुओं का मूल्यांकन आवश्यक होता है। भारत जैसे विशाल और विविध आबादी वाले देश में यह प्रक्रिया और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्यूडेंगा की भारत में उपलब्धता का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जागरूकता से जुड़ा है। डेंगू को लेकर समाज में अभी भी कई भ्रांतियां मौजूद हैं। कई बार लोग बुखार को सामान्य वायरल संक्रमण समझकर इलाज में देरी करते हैं। वहीं कुछ लोग डेंगू की रोकथाम को केवल मच्छर भगाने तक सीमित मानते हैं। वास्तव में डेंगू नियंत्रण के लिए व्यक्तिगत सावधानी, मच्छर नियंत्रण, स्वच्छता, समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह–सभी की जरूरत होती है। वैक्सीन के आने के साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि लोग इसे डेंगू से बचाव की एक अतिरिक्त रणनीति के रूप में समझें, न कि अन्य सावधानियों के विकल्प के रूप में।

डॉ. रेड्डीज और टेकेडा के बीच सहयोग का उद्देश्य केवल वैक्सीन का वितरण नहीं है। कंपनियों के अनुसार, इसके तहत डेंगू के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ जुड़ाव को भी महत्व दिया जाएगा। यह पहल इसलिए उपयोगी हो सकती है क्योंकि वैक्सीन से जुड़े निर्णय में डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। योग्य लोगों को वैक्सीन की जरूरत, संभावित लाभ और सीमाओं के बारे में सही जानकारी चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से ही मिलनी चाहिए।

भारत में पहली डेंगू वैक्सीन के आने की संभावित खबर को इसलिए एक शुरूआत के रूप में देखा जाना चाहिए, अंतिम समाधान के रूप में नहीं। डेंगू की चुनौती केवल वैक्सीन से खत्म नहीं होगी। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना, जलभराव रोकना, साफ-सफाई बनाए रखना, समय पर बीमारी की पहचान करना और अस्पतालों में उचित उपचार की व्यवस्था करना भी उतना ही आवश्यक रहेगा।

सबसे बड़ी उम्मीद यह है कि वैक्सीन डेंगू से निपटने की मौजूदा रणनीति को मजबूत कर सकती है। लेकिन इसके साथ यह सावधानी भी जरूरी है कि वैज्ञानिक प्रमाण, नियामकीय मानक और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरतें व्यावसायिक हितों से ऊपर रहें। कीमत, उपलब्धता और लक्षित आबादी जैसे मुद्दों पर पारदर्शिता भी महत्वपूर्ण होगी। भारत में डेंगू का बोझ देखते हुए क्यूडेंगा की संभावित लॉन्चिंग निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2027 की पहली छमाही में इसके संभावित लॉन्च से पहले अभी कई औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होनी हैं। इसलिए फिलहाल इसे डेंगू के खिलाफ लड़ाई में एक संभावित नए हथियार के रूप में देखना अधिक उचित होगा। आखिरकार, किसी वैक्सीन की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि वह बाजार में उपलब्ध हो गई है। असली कसौटी यह होगी कि वह कितने लोगों तक पहुंचती है, कितनी सुरक्षित और प्रभावी साबित होती है, उसकी कीमत कितनी वहनीय होती है और क्या वह देश की व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बन पाती है।

भारतीय न्यायिक प्रक्रिया पर बदनुमा दाग है निठारी कांड

मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि जब भगवान की लाठी पड़ती है तो आवाज तक नहीं आती। कुछ ऐसा ही नोएडा के चर्चित निठारी कांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली के मामले में देखने को मिल रहा है। 2006 में निठारी कांड देश के अपराधिक मामलों में सबसे अधिक क्रूरता पाशविकता भरी दर्जनों गुमशुदा बच्चों और किशोरों के अपहरण और नृशंस हत्या से जुड़ा सीरियल किलिंग का मामला था जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। बच्चों के रहस्यमय ढंग से गायब होने, उनके साथ हुई हैवानियत और फिर नाले से मिले मासूम बच्चों के अंगों और कंकालों की तस्वीरों ने हर संवेदनशील मन को कपकँपा दिया था। अब 18 सितंबर 26 को इस मामले के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली की हरिद्वार में हुई संदिग्ध परिस्थिति में मौत ने उस खौफनाक सीरियल किलिंग कांड के अंतिम पन्ने पर एक ऐसा पूर्णविराम लगा दिया है, जो बता रहा है कि सरकारी अदालतों से इतर भी कोई अदालत है जो देर सवेर इंसाफ करती है यह बताता है कि गरीब मजलूम असमर्थ और धन सत्ता की ताकत से रीते लोगों की आहों में भी एक ऐसी ताकत होती है जिसे खुद सबसे बड़ी भगवान या सर्वशक्तिमान की अदालत सुनती है और अपने ढंग से न्याय करती है।

आपको बता दें कि 18 सितंबर 2026 को भारत के सबसे चर्चित निठारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली का शव हरिद्वार में उसके चाय के खोखे में लटका हुआ मिला, जिसके बाद पुलिस ने शुरूआती तौर पर इसे आत्महत्या का मामला माना है। दो दशक तक चले इस बेहद खौफनाक और जटिल कानूनी मामले का अंत इस तरह एक रहस्यमयी मोड़ पर आकर हुआ है।सुरेंद्र कोली के अंतिम अंजाम और इस पूरे

दिसंबर 2006 में नोएडा के निठारी गांव में हुए इस वीभत्स हत्याकांड के बाद सुरेंद्र कोली को कई मामलों में निचली अदालतों द्वारा फांसी की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, जांच में गंभीर खामियों और सबूतों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने के बाद इलाहाबाद हाई कोर्ट और आखिरकार नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम लंबित मामले में भी उसे बरी करने का आदेश दिया।

आपको बता दें 2003 में नोएडा के निठारी गांव के लोगों ने इलाके से महिलाओं और बच्चों के अचानक लापता होने की शिकायतें करनी शुरू कीं। हालांकि, नोएडा पुलिस ने इनमें से कई मामलों में शिकायत तक दर्ज नहीं की। जिन मामलों में शिकायत दर्ज हुई, उनमें भी ज्यादा प्रगति नहीं हुई।मई 2006 में इस मामले में बड़ा मोड़ आया। एक पिता अपनी लापता बेटी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचा। उसने बताया कि लापता होने वाले दिन उसकी बेटी नोएडा के सेक्टर-31 में निठारी के पास रहने वाले मोनिंदर सिंह पंढेर की कोठी गई थी। जून तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इसके बाद पिता ने एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के सरकारी आवास के बाहर हंगामा किया, तब जाकर मामला दर्ज हुआ।लापता युवती के फोन को ट्रेस करने पर पुलिस सुरेंद्र कोली तक पहुंची। उस समय कोली पंढेर के घर पर नौकर के रूप में काम करता था। कोली को गिरफ्तार किया गया, लेकिन जल्द ही जमानत पर छोड़ दिया गया।

दिसंबर 2006 में पंढेर के घर के पीछे एक नाले में प्लास्टिक की थैलियों में मानव कंकालों के अवशेष और लापता लोगों का सामान मिला। इसके बाद पुलिस ने 29 दिसंबर को कई महिलाओं और बच्चों के अपहरण और हत्या के आरोप में कोली और पंढेर को गिरफ्तार कर लिया।

मामले ने अब राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी थीं। साथ ही निठारी मामले में नोएडा पुलिस की पहले की लापरवाही और जांच में नाकामी पर भी सवाल उठ रहे थे। इसके बाद 10 जनवरी 2007 को10 जनवरी 2007 को जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई। सीबीआई की फॉरेंसिक टीम ने पंढेर के घर की दोबारा तलाशी ली और मानव कंकालों के अवशेष तथा गंभीर अपराधों से जुड़े सबूत बरामद किए।सीबीआई ने 1 मार्च को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कोली का कबूलनामा दर्ज किया। कोली ने हत्या की घटनाओं के बारे में बहुत विस्तार से बताया। उसने कहा कि वह पीड़ितों को बहला-फुसलाकर कोठी के अंदर लाता था, उनका गला घोंटता था और फिर उनके शरीर के टुकड़े कर उन्हें पकाकर खाता था।

नोएडा पुलिस ने 19 अलग-अलग लड़कियों से जुड़े अपराधों के मामले में पंढेर और कोली के खिलाफ 19 प्राथमिकियां दर्ज की थीं। इनमें से 16 मामलों में सीबीआई ने आरोपपत्र दाखिल किए। 2007 में इनमें से एक मामले में दाखिल आरोपपत्र में सीबीआई ने दावा किया था कि कोली में मृत शरीरों के प्रति यौन आकर्षण और इंसानी मांस खाने जैसी प्रवृत्तियां थींएक विशेष सीबीआई अदालत ने 13 फरवरी 2009 को एक 14 साल की लड़की से बलात्कार और हत्या के मामले में पहली बार कोली और पंढेर दोनों को दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई। अपील पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पंढेर को बरी कर दिया, लेकिन कोली की मौत की सजा को बरकरार रखा।इसके बाद कोली ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में उसकी अपील और 2014 में पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। लेकिन जनवरी 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दया याचिका पर फैसला लेने में हुई अत्यधिक देरी को आधार बनाते हुए कोली की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया।अक्टूबर 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी, प्रक्रियागत खामियों और प्रताड़ना के आरोपों को देखते हुए कोली को 12 मामलों में और पंढेर को 2 मामलों में बरी कर दिया। पंढेर अक्टूबर 2023 में जेल से बाहर आ गया, जबकि कोली की रिहाई नवंबर 2025 में हुई।

इस स्थिति में एक कानूनी विरोधाभास पैदा हो गया था। कोली 12 मामलों में बरी हो चुका था, लेकिन लगभग उन्हीं सबूतों के आधार पर एक मामले में अब भी दोषी था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्याय का बड़ा विरोधाभास माना और अपनी क्यूरेटिव शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि समान सबूतों पर दो परस्पर विरोधी फैसले एक साथ नहीं रह सकते हैं। शीर्ष अदालत ने माना कि यह प्रक्रियागत और संरचनात्मक खामियों का मामला था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2011 के फैसले को वापस लेते हुए कोली को अंतिम मामले में भी सभी आरोपों से बरी कर तुरंत रिहा करने का आदेश दिया था।

निठारी कांड के पीड़ित परिवारों ने जिस तरह सुरेंद्र कोली की मौत पर कहा है कि वह भारतीय न्यायालय से बरी हुआ पर भगवान के घर देर है अंधेर नहीं और भगवान से बड़ा कोई न्यायाधीश नहीं पीड़ित माता-पिता के ये शब्द केवल एक आरोपी की मौत पर संतोष व्यक्त करना भर नहीं हैं, बल्कि यह उस हताशा और वेदना की भी अभिव्यक्ति है जो वे बरसों से सीने में दबाए बैठे थे।

जरा विचार कीजिए उन उन्नीस बच्चों के माता पिता परिवारों की स्थिति पर जिनके बच्चों को टाफी चाकलेट रोजगार और टिप देने का लालच देकर कोठी के भीतर बुलाया गया और इसके बाद वह कभी जीवित बाहर नहीं आ सके। इस कोठी के पिछवाड़े के खुले नाले से दर्जनों बच्चों के कंकाल खोपड़ी बरामद किए गए।

सवाल उठता है कि बारह मामलों में फांसी की सलीब तक पहुंचने के बाबजूद आधी रात के 1:35पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर फांसी पर रोक लगा दी गई थी और फिर हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने सुरेन्द्र कोली के इकबाली बयान और सबूतों को पर्याप्त नहीं मानते हुए दोनों आरोपियों को बरी कर दिया। इस तरह सबसे वीभत्स और दरिंदगी भरा सीरियल हत्याकांड भारतीय कानून और न्याय व्यवस्था पर एक बदनुमा दाग बन कर रह गया सवाल यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट ने इतना वीभत्स कांड की दोबारा जांच करने की भी सिफारिश नहीं की। 19 साल तक अदालत की चौखट पर सैकड़ों बार गवाही और सुनवाई के लिए चक्कर काटने वाले मजलूम गरीब परिवार ठगे से रह गए और दोनों आरोपियों को जेल से रिहा कर दिया गया।

यह मामला भारतीय कानून व्यवस्था की अदालत की जटिल प्रक्रिया का एक स्याह नजीर है जांच एजेंसियों की लापरवाही, साक्ष्यों के संकलन में हुई चूक और अभियोजन की कमियां इतने बड़े और जघन्य अपराध के मामलों को भी कमजोर कर सकती हैं। निठारी जैसे बर्बर मामलों के आरोपी कानून के शिकंजे से बाहर आ जाते हैं, तो पीड़ित परिवारों का न्यायपालिका से विश्वास उठना स्वाभाविक है।अब सुरेंद्र कोली की कथित आत्महत्या बता रही है कि कुदरत का भी एक कानून है जिससे बचना असंभव है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

असली आज़ादी

मंगलवार, 22 सितंबर 2026, दमण।

संक्षिप्त समाचार

कांगो में एबोला का कहर: प्रकोप के केंद्र में स्वास्थ्यकर्मियों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू

किंशासा, एजेंसी। कांगो ने इतिहास के सबसे तेजी से फैलते एबोला प्रकोप के केंद्र बूनिया में स्वास्थ्यकर्मियों को टीके लगाना शुरू कर दिया है। यह अभियान 'इरवेबो' वैक्सीन के माध्यम से चलाया जा रहा है, ताकि जोखिम में तैनात लगभग 20,000 फ्रंटलाइन वर्कर्स की सुरक्षा की जा सके। देश में अब तक 7,541 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 3,639 लोगों की मौत हो चुकी है। वर्तमान प्रकोप 'बुंडीबुग्यो' वायरस के कारण फैल रहा है, जिसका कोई स्वीकृत इलाज नहीं है। इसलिए वैज्ञानिक अध्ययन और सुरक्षा के उद्देश्य से इरवेबो वैक्सीन का उपयोग अनुकंपा आधार पर किया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षा, हड़ताल और विस्थापन के कारण यह प्रकोप बेहद गंभीर और अनियंत्रित बना हुआ है।

ईरान में दिखा महिलाओं का साहस: बिना हिजाब 10 किमी दौड़ीं

तेहरान, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में महिलाओं के एक समूह ने देश के अनिवार्य हिजाब कानून का खुलेआम उल्लंघन करते हुए बिना हिजाब पहने 10 किलोमीटर की दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया। यह साहसिक कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरानी अधिकारी पहले भी इसी तरह बिना हिजाब के दौड़ के आयोजन पर सख्त कार्रवाई कर चुके थे। यह प्रतियोगिता वेलायात पार्क में आयोजित की गई थी, जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग दौड़ की व्यवस्था थी। सोशल मीडिया पर बिना हिजाब के दौड़ती महिलाओं के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इस घटना ने ईरान के सख्त हिजाब कानून की ओर दुनिया का ध्यान खींचा है।

युद्ध के बीच ईरान का शक्ति प्रदर्शन 3,13,000 लोगों ने दिखाई ताकत

तेहरान। ईरान में शुक्रवार को सरकार के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। सरकारी मीडिया के अनुसार, तेहरान में 3.13 लाख लोगों ने मार्च में हिस्सा लिया, जबकि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर जनरल हसन हसांजादेह ने दावा किया कि छह लाख से अधिक लोग सीमित सैन्य प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण करा चुके हैं और प्रशिक्षण में 10 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। तेहरान में प्रदर्शनकारियों ने ईरानी झंडे लेकर मार्च किया और देश की रक्षा के लिए हथियार उठाने की तैयारी जताई। सरकार ने इस अभियान को 'जांफदाये ईरान' यानी 'ईरान के लिए जान कुर्बान करने वाले' नाम दिया है। राज्य मीडिया कई दिनों से लोगों से इसमें शामिल होने की अपील कर रहा था।

अमेरिका में धार्मिक भेदभाव का मुकदमा, त्योहारों की अनदेखी पर मिशिगन का जवाब क्या?

मिशिगन , एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में धर्म आधारित मुकदमे का मामला सामने आया है। डियरबॉर्न शहर ने शनिवार को एक मुकदमे का जवाब दिया। मुकदमे में शहर पर मुस्लिम त्योहारों को मनाने और अन्य धर्मों के त्योहारों की अनदेखी का आरोप है। शहर ने अपने ऊपर हो रहे हमलों का कारण अपनी विविधता और 'स्वागत योग्य स्वभाव' को बताया। यह मुकदमा गुरुवार को दायर हुआ था, जिसमें शहर और मेयर पर ईसाई व यहूदी त्योहारों की अनदेखी करते हुए मुस्लिम त्योहारों पर हजारों अमेरिकी डॉलर खर्च करने का आरोप लगा। द फेडरलिस्ट की पत्रकार मार्गोट क्लीवलैंड द्वारा दायर मुकदमे में कहा गया कि डियरबॉर्न ईसाइयों और यहूदियों के लिए शत्रुतापूर्ण जगह रहा है। मुकदमे के अनुसार, मेयर अब्दुल्ला हम्मुद ने पादरी टेड बारहम से कहा था कि उनका शहर में स्वागत नहीं है। शहर ने पिछले साल रमजान बैनरों पर 1,500 अमेरिकी डॉलर और पीस पार्क में चांद के प्रतीक पर 5,000 अमेरिकी डॉलर खर्च किए थे। लेकिन शहर ने ईसाई त्योहार ईस्टर और यहूदी त्योहार पासओवर को इसी तरह नहीं मनाया। शहर ने अपने बयान में कहा कि वह सभी निवासियों की निष्पक्ष और समान रूप से सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेयर हम्मुद ने कहा कि डियरबॉर्न सभी का स्वागत करता है, चाहे उनका कोई भी धर्म हो।

ईमान मज़ारी और हादी अली की फिर गिरफ्तारी, पीओजेके ह्यूमन राइट्स काउंसिल ने जताई गहरी चिंता, उठाए सवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। मानव अधिकार अधिवक्ता इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की दोबारा गिरफ्तारी पर विवाद गहरा गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर के मानवाधिकार परिषद ने इस अचानक हुई कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने और सजा निलंबित होने के तुरंत बाद इस्लामाबाद के कोहसार पुलिस स्टेशन में दर्ज नए मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया। मानवाधिकार परिषद ने राज्य प्राधिकारियों से इस गिरफ्तारी का स्पष्ट कानूनी आधार और सार्वजनिक कारण बताने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट की जमानत के बाद फिर हुई गिरफ्तारी : मुजफ्फराबाद स्थित एचआरसी-पीओजेके ने शनिवार, 19 सितंबर 2026 को जारी बयान में इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की पुनर्गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। परिषद के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने दोनों की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था।

हालांकि, इस न्यायिक आदेश के तुरंत बाद दोनों को इस्लामाबाद के कोहसार पुलिस स्टेशन में दर्ज एक नए मामले में फिर से हिरासत में ले लिया गया। एचआरसी-पीओजेके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट के जरिए संबंधित अधिकारियों से पुनर्गिरफ्तारी की परिस्थितियों और कानूनी आधार की पारदर्शी जानकारी देने की मांग की। परिषद ने कहा कि किसी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत जांच और मुकदमा चलाने का अधिकार राज्य के पास है, लेकिन न्यायिक आदेश के तुरंत बाद हुई कार्रवाई के कारण इसके कानूनी आधार को स्पष्ट करना जरूरी है।

एंटी टेररिज्म कोर्ट में पेशी, 30 दिन की रिमांड खारिज : पुनर्गिरफ्तारी के बाद इमान मजारी और हादी अली चट्ठा को एंटी टेररिज्म कोर्ट यानी एटीसी के सामने पेश किया गया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने दोनों की 30 दिनों की फिजिकल रिमांड की मांग की। हालांकि, अदालत ने पुलिस की 30 दिन की रिमांड की मांग को स्वीकार नहीं किया। इसके बजाय दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया गया।

इस घटनाक्रम के बाद एचआरसी-पीओजेके ने न्यायिक आदेशों के सम्मान और निष्पक्ष अदालती प्रक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। परिषद ने कहा कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए।

संवैधानिक अधिकारों और निष्पक्ष सुनवाई पर जोर : मानवाधिकार परिषद ने कहा कि राज्य कानून के अनुसार किसी भी नागरिक के खिलाफ जांच और मुकदमा चला सकता है। हालांकि, गिरफ्तारी और न्यायिक प्रक्रिया के हर चरण में संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन जरूरी है। परिषद ने अधिकारियों से इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की पुनर्गिरफ्तारी की आवश्यकता और उसके कानूनी आधार को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करने का आग्रह किया। एचआरसी-पीओजेके ने कहा कि न्यायिक आदेशों का सम्मान, कानून का समान इस्तेमाल और निष्पक्ष सुनवाई आरोपों का सामना कर रहे व्यक्ति के संवैधानिक अधिकारों का हिस्सा हैं। परिषद ने दोनों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पूरी कार्रवाई को पारदर्शी रखने की मांग की है।

शौकत नवाज मीर मामले का भी दिया संदर्भ : एचआरसी-पीओजेके ने अपने बयान में शौकत नवाज मीर की कस्टडी और कानूनी स्थिति से जुड़े पहले के मामले का भी उल्लेख किया। परिषद ने कहा कि उस मामले में अलग-अलग तरह के बयान सामने आने के बाद उसने तत्काल और सत्यापन योग्य स्पष्टीकरण की मांग की थी। 30 जून 2026 को शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी की खबरें राष्ट्रीय मीडिया में सामने आई थीं। समाचार रिपोर्टों में मुजफ्फराबाद के डिप्टी कमिश्नर के हवाले से उनकी गिरफ्तारी की जानकारी दी गई थी।

अब परिषद ने एक बार फिर राज्य संस्थाओं से नागरिकों के अधिकारों और कानून के शासन को बनाए रखने की अपील की है। इमान मजारी और हादी अली चट्ठा की दोबारा गिरफ्तारी के मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया और अदालत की कार्यवाही पर नजर बनी हुई है।

मनसुख मांडविया ने जापान में किया 'संडे ऑन साइकिल' का नेतृत्व, एशियन गेम्स के लिए खिलाड़ियों को दीं शुभकामनाएं

नागोया, एजेंसी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने जापान के नागोया में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का नेतृत्व किया। इस अभियान का मकसद सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और टिकाऊ व सक्रिय जीवनशैली के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है।

उन्होंने एशियाई खेलों के लिए भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं भी दीं। इस कार्यक्रम में भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक भी शामिल हुईं। एशियन गेम्स 2026 के बारे में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि आज जापान के नागोया में एशियन गेम्स शुरू हो गए हैं। भारत से 503 युवा खिलाड़ियों का दल एशियन गेम्स में हिस्सा लेने पहुंचा है। उनका हौसला बढ़ाने और समर्थन दिखाने के लिए, नागोया में भारतीय समुदाय ने आज एक 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम आयोजित किया। मुझे खुशी है कि हमारा दल अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और हमारा भारतीय समुदाय भी उनका हौसला बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, 'यह स्वाभाविक है कि विदेशों में रहने वाले हमारे भारतीय नागरिक हमारी ताकत हैं। भारतीय लोगों को जहां भी और जिस भी तरह की मदद की जरूरत होती है, हमारे प्रवासी हमेशा उनके साथ खड़े रहते हैं। नागोया में, हमारे भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने और उनकी सुविधा के लिए, वहां रहने वाले भारतीयों ने सभी जरूरी इंतजाम किए हैं और कई युवा वॉलंटियर के तौर पर सेवा भी दे रहे हैं।

यही भारत की असली पहचान है। साइक्लिंग इवेंट में हिस्सा लेने पर जापान में भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने कहा, 'यह बहुत अच्छा अनुभव था। मुझे बहुत खुशी है कि मंत्री मांडविया ने यह शानदार पहल की है। वे जहां भी होते हैं, इसे (संडे ऑन साइकिल) करते हैं और यहां नागोया में भी उन्होंने ऐसा किया। सभी का एक साथ होना अच्छा लगा। मुझे खुशी है कि प्रवासी भारतीय इसमें शामिल हुए। ' भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने जापानी एथलीटों से मुलाकात के बाद कहा, 'मैं कुछ एथलीटों से मिली थी।

नीदरलैंड में विरोध-प्रदर्शन के दौरान हिंसा

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड में प्रवासन और शरण नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों दूर-दराज दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारियों को दंगा पुलिस ने तितर-बितर किया। हिंसा के बाद स्थानीय अधिकारियों ने मार्च पर प्रतिबंध लगाया और पुलिस ने शनिवार को कई गिरफ्तारियां कीं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पटाखे और अन्य वस्तुएं फेंकीं। न्याय मंत्री डेविड वैन वील ने एक्स पर इसे 'घृणित दृश्य' बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया मांगी। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने नाजी सलाम किए, यहूदी विरोधी नारे लगाए और पुलिस पर हमला कर पटाखे फेंके। हेग नगर पालिका ने मैलीवेल्ड पार्क में हिंसा के बाद मार्च पर प्रतिबंध लगाया और भीड़ को तितर-बितर होने का आदेश दिया। यह अशांति पिछले साल हुई दक्षिणपंथी प्रदर्शन के दौरान हुए दंगों के एक साल बाद हुई। पिछले साल की झड़पों में एक पुलिस कार जलाई गई थी और केंद्रवादी डी66 पार्टी के मुख्यालय पर हमला हुआ था। डी66 के नेता रॉब जेट्टन अब प्रधानमंत्री हैं।

कैरेबियन सागर में अमेरिकी सेना का हमला, संदिग्ध ड्रग्स बोट पर स्ट्राइक में चार की मौत : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में ड्रग्स तस्करी के संदेह में एक नाव पर हमला करके चार लोगों को मार गिराया है। यह कार्रवाई लैटिन अमेरिका में तस्करों के खिलाफ अमेरिकी अभियान का हिस्सा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस अभियान के तहत अब तक 69 हमलों में कम से कम 231 लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिकी सेना ने दावा किया कि नाव तस्करी के रास्ते पर थी, हालांकि ड्रग्स होने का कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किया गया। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के अनुसार कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास जैसे देश भी साझा सैन्य अभियानों के लिए सहमत हुए हैं, हालांकि ग्वाटेमाला ने ऐसे किसी समझौते से इनकार किया है।

ईरान की शर्तों से बढ़ी हलचल: ट्रंप अचानक लौटे व्हाइट हाउस, अमेरिकी बमवर्षक पश्चिम एशिया रवाना; अब आगे क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैंप डेविड में अपना सप्ताहांत प्रवास बीच में ही खत्म कर दिया। जानकारी के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप शनिवार शाम (अमेरिकी समयानुसार) व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रंप ने रात कैंप डेविड में बिताने के बाद अपना कार्यक्रम बदलकर काम पर लौटने का फैसला किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने सात शर्तें रखी हैं और मांगें नहीं माने जाने पर 'निर्णायक युद्ध' के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है।

ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव प्रमुख मोहसिन रेजाई ने अल जजीरा से कहा, 'हम मध्यस्थ कतर के संपर्क में हैं। कतर ने युद्ध खत्म करने के उद्देश्य से हमारी शर्तें वॉशिंगटन तक पहुंचा दी हैं। हम राष्ट्रपति ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। हमारी शर्तों में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना, हमारी जब्त की गई धनराशि को जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है। इन शर्तों को स्वीकार करना वॉशिंगटन के हित में है। ट्रंप की धमकियों से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। हम निर्णायक युद्ध के लिए तैयार हैं। '

प. एशिया में बढ़ी अमेरिकी दूतावासों की सुरक्षा, नागरिकों को चेतावनी जारी : इसके बाद पश्चिम एशिया में अमेरिकी राजनयिक मिशनों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अपने नागरिकों से सतर्क रहने को कहा है। अमेरिका की ओर से जारी चेतावनी में कहा गया कि ईरान समर्थित हूती विद्रोही सऊदी अरब के खिलाफ सैन्य गतिविधियों में शामिल रहे हैं। इस सैन्य संघर्ष के तेजी से बढ़ने की आशंका है। क्षेत्र से आने-जाने वाले अमेरिकी नागरिकों को हवाई अड्डों और विमान सेवाओं से जुड़ी सूचनाओं पर नजर रखने की सलाह दी गई है। चेतावनी में कहा गया कि मध्य पूर्व के बाहर भी अमेरिकी राजनयिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है। ईरान और उसके समर्थन वाले समूह दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अमेरिका के हितों या अमेरिकी लोगों और संस्थानों से जुड़े स्थानों को निशाना बना सकते हैं। इनमें अमेरिकी कंपनियां और अन्य संस्थान भी शामिल हैं।

इस बीच रूस टुडे ने खबर दी कि ब्रिटेन के एक हवाई अड्डे से अमेरिकी बमवर्षक विमान पश्चिम एशिया की ओर रवाना हुआ है। ईरान के प्रेस टीवी के अनुसार, उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसाका में खरब अल-जिर सैन्य अड्डे के पास वायु रक्षा गतिविधियां देखी गई हैं। पश्चिम एशिया में तनाव उस समय और बढ़ गया जब सऊदी अरब ने कहा कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए रियाद पर हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना ने दावा किया कि मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया।

यमन में सरकारी सेना-हूती विद्रोहियों के बीच भीषण जंग, 24 घंटे में 44 की मौत

साना , एजेंसी। यमन में सरकारी सेना और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। दक्षिण-पश्चिमी ताइज और लहज प्रांतों में पिछले 24 घंटों के दौरान कई मोर्चों पर हुई भीषण लड़ाई में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई।

सैन्य सूत्रों के अनुसार दोनों पक्ष रणनीतिक इलाकों पर कब्जा मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिक और हथियार तैनात कर रहे हैं। बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के पास स्थित कहबूब और ताइज के अल-कधा-अल-वाजियाह क्षेत्र इस समय सबसे बड़े युद्धक्षेत्र बने हुए हैं, जहां लगातार हमले और जवाबी कार्रवाई जारी है।

ताइज और लहज में कई मोर्चों पर जारी है भीषण लड़ाई : सरकारी सेना के एक वरिष्ठ सैन्य सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि दक्षिण-पश्चिमी यमन के ताइज और लहज प्रांतों में कई मोर्चों पर लगातार लड़ाई जारी है। दोनों पक्ष रणनीतिक इलाकों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिक और हथियार भेज रहे हैं। सूत्र के मुताबिक, ताइज प्रांत के अल-कधा और अल-वाजियाह क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों के दौरान हूती विद्रोहियों ने कई बार सरकारी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन सेना ने सभी हमलों को विफल कर दिया। इन झड़पों में सरकारी सेना के छह जवान और हूती समूह के 11 लड़ाके मारे गए। हूती के कई हमले विफल करने का दावा किया सरकारी सूत्र ने दावा किया कि हूती विद्रोहियों ने बड़ी संख्या में अतिरिक्त लड़ाके भेजकर कई जगहों पर रक्षा पंक्ति तोड़ने की कोशिश की, लेकिन उन्हें पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। वहीं लहज प्रांत के कहबूब पर्वतीय क्षेत्र में भी दोनों पक्षों के बीच भीषण लड़ाई जारी है। यह इलाका बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित रणनीतिक ऊंचाई वाला क्षेत्र माना जाता है। एक अन्य सरकारी सैन्य अधिकारी ने बताया कि कहबूब मोर्चे पर पिछले 24 घंटों में सरकारी सेना के 12 जवान मारे गए। दूसरी ओर, हूती समूह के एक सैन्य सूत्र ने दावा किया कि इसी अवधि में कहबूब क्षेत्र में हुई लड़ाई में 15 हूती लड़ाके, जिनमें एक कमांडर भी शामिल है, मारे गए। हालिया संघर्ष ऐसे समय में तेज हुआ है, जब इस महीने की शुरुआत में हूती विद्रोहियों ने यमन के दक्षिण-पश्चिमी लाल सागर तट पर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी। हूती समूह ने 10 सितंबर को रणनीतिक बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा किया और इसके अगले दिन 11 सितंबर को बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के बीच स्थित मय्यून (पेरिम) द्वीप पर भी नियंत्रण कर लिया।

स्पेस फोर्स के बाद अब एआई फोर्स की तैयारी, ट्रंप का बड़ा एलान, बोले- यह अगली औद्योगिक क्रांति

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह 'एआई फोर्स' बनाने की तैयारी कर रहे हैं और जल्द ही एक 'एआई सीजर' की नियुक्ति की घोषणा करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र को 'खत्म या नष्ट' होने देने के लिए चुपचाप नहीं बैठेंगे। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका इस महत्वपूर्ण उद्योग के विकास को किसी भी तरह बाधित या रोकने का काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'हम किसी भी तरह इस अविश्वसनीय उद्योग के विकास में बाधा नहीं डालेंगे या उसे दबाएंगे नहीं। इसके बजाय, हम इसे महत्व देंगे, इसकी मदद करेंगे और इसके बढ़ने के साथ इस पर नजर रखेंगे। हालांकि, हम बुरे कामों पर भी नजर रखेंगे और मौजूदा आपराधिक और दीवानी न्याय व्यवस्था के जरिये ऐसा आसानी से कर सकते हैं। ' डोनाल्ड ट्रंप ने 2019 में अमेरिकी दबदबे को अंतरिक्ष में बढ़ाने के लिए स्पेस फोर्स का गठन किया था। वहीं, हाल ही में अमेरिका ने पहली बार स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि उसके पास अंतरिक्ष की कक्षा में तैनात ऐसे हथियार हैं, जिनका इस्तेमाल शत्रु की कार्रवाई का मुकाबला करने के साथ-साथ आक्रामक और रक्षात्मक दोनों अभियानों में किया जा सकता है। यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका, चीन और रूस के बीच अंतरिक्ष में सैन्य वर्चस्व की होड़ तेज हो रही है। ट्रंप ने एआई को अगली औद्योगिक क्रांति या इंटरनेट जैसा बताया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत तक योगदान दे सकती है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में एआई के 'नष्ट होने' को डेमोक्रेट्स की ओर से फैलाए जा रहे 'कई झूठे दावों' में से एक बताया।

उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक तापमान बढ़ने के मुद्दे को भी ऐसे ही दावों की सूची में शामिल किया और कहा कि इनसे अमेरिका को 'नुकसान' पहुंच रहा है। हालांकि, ट्रंप ने प्रस्तावित 'एआई फोर्स' की संरचना या 'एआई सीजर' की जिम्मेदारियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में दूतावासों को अलर्ट भेजा:ट्रम्प छुट्टी खत्म होने से पहले व्हाइट हाउस लौटे

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी। मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका ने इलाके में मौजूद अपने दूतावासों और नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्क रहने को कहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपना कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रम्प की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने नहीं बताई है। वहीं, रशिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बी-1बी लांसर बॉम्बर ने ब्रिटेन के ॠॠ फेयरफोर्ड एयरबेस से फुल आफ्टरबर्नर के साथ उड़ान भरते हुए मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना हुआ है। ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खाराब अल-जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी है।

9 देशों में अमेरिकी नागरिकों को सावधानी की सलाह : अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने को कहा है। अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी

गई है। अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे फ्लाइट और एयरपोर्ट से जुड़ी ताजा जानकारी देखते रहें।

ईरान ने जंग खत्म करने के लिए 7 शर्तें रखीं : ईरान ने चल रही जंग खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने 7 शर्तें रखी हैं। ईरान ने कहा है कि अगर अमेरिका ने उसकी मांगें नहीं मानीं तो वह जंग जारी रखने के लिए तैयार है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने अल जजीरा से कहा कि कतर ने मध्यस्थ के तौर पर ईरान की शर्तें अमेरिका तक पहुंचा दी हैं। अब ईरान ट्रम्प के जवाब का इंतजार कर रहा है। रेजाई के मुताबिक, ईरान की मांगों में सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, विदेशों में फ्रीज किए गए ईरानी फंड जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है।

सऊदी बोला- हूतियों ने रियाद पर मिसाइल हमले की कोशिश की : सऊदी अरब ने कहा कि हूतियों ने उसकी राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना के मुताबिक, उसने मिसाइलों को रास्ते में ही रोक दिया। हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि संगठन ने सऊदी अरब पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन भी भेजे। उनके मुताबिक, रियाद और सऊदी तेल कंपनी अरामको की यानबू स्थित सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद सऊदी अरब और हूतियों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

ईरान की नोबेल विजेता बोलीं- जंग और दमन की कीमत लोग चुका रहे : ईरान की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गिस मोहम्मदी ने कहा है कि देश में चल रही जंग, आर्थिक संकट और सरकारी दमन का सबसे ज्यादा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने ,क्क से बातचीत में कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। मोहम्मदी ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में समाज में सरकारी दमन और बढ़ा है। आर्थिक दबाव के साथ लोगों पर बढ़ती पाबंदियों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। मोहम्मदी ने कहा कि इसके बावजूद कई ईरानी अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने खास तौर पर युवा पीढ़ी का जिक्र किया, जो अपने अधिकारों को समझती है और विरोध करने से पीछे नहीं हट रही। नर्गिस मोहम्मदी कई सालों से मानवाधिकारों के लिए आवाज उठाती रही हैं और कई बार जेल जा चुकी हैं।

21 साल के पाकिस्तानी बल्लेबाज ने ठोका हाहाकारी शतक

ऐसा करने वाला बना पहला खिलाड़ी

सीपीएल यानी कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में पाकिस्तानी बल्लेबाज के बल्ले का धमाल देखने को मिला. 21 साल का ये वही पाकिस्तानी बल्लेबाज है, जिसके नाम सीपीएल के सबसे छोटे सेंचुरियन होने का भी रिकॉर्ड दर्ज है. हम बात कर रहे हैं माज सदाकत की, जिन्होंने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया और सीपीएल 2026 में अपना दूसरा शतक जड़ा है. इससे पहले माज सदाकत ने एलिमिनेटर मुकाबले में भी शतक जड़ा था और सीपीएल में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने थे. सीपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ जमैका किंग्समेन ने पहले बल्लेबाजी की. जमैका किंग्समेन के लिए माज सदाकत और किर्क मैकेन्जी ने ओपन किया. अब मैकेन्जी तो बिना खाता खोले ही आउट हो गए. लेकिन 21 साल के पाकिस्तानी माज सदाकत ने अपने इरादे साफ जता दिए. नतीजा ये हुआ कि मैच के आखिरी ओवर तक उन्होंने ना सिर्फ एक छोर संभाले रखा बल्कि जमैका किंग्समेन के स्कोर बोर्ड को भी चलाते रहे. ऐसा करते हुए माज सदाकत सीपीएल फाइनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए.

49 गेंदों में फाइनल में जमाया शतक – माज सदाकत ने सीपीएल 2026 के फाइनल में 58 गेंदों पर 114 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के और 8 चौके शामिल रहे. इस पारी के दौरान उन्होंने अपना शतक सिर्फ 49 गेंदों में पूरा किया. ये उनके सीपीएल और टी-20 करियर का दूसरा शतक है. इससे पहले अपना पहला सीपीएल सीजन खेल रहे माज सदाकत ने एलिमिनेटर मैच में 44 गेंदों में शतक लगाया था. माज सदाकत ने एलिमिनेटर में 112 रन बनाए थे. उस लिहाज से फाइनल में बनाए 114 रन, उनके टी20 करियर का सबसे बड़ा स्कोर है.

माज सदाकत के शतक की बदौलत बने 170 रन – माज सदाकत के शतक की बदौलत ही जमैका किंग्समेन 20 ओवर में 9 विकेट पर 170 रन बनाने में कामयाब रही. उनके शतक को अगर निकाल दें तो टीम के बाकी बल्लेबाज फाइनल में फेल दिखे. बाकी बल्लेबाजों में सिर्फ एक और सैम अयूब ही दहाई के आंकड़े को पार करने में कामयाब रहे. सैम अयूब ने 29 रन बनाए और टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे. मतलब कहा जा सकता है जमैका किंग्समेन अपने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भरोसे ही फाइनल में फाइटिंग टोटल खड़ा कर सकी ।

एमएलएस : 2-2 से ड्रॉ रहा इंटर मियामी और सैन डिएगो के बीच खेला गया मुकाबला, मेसी ने दागा एक गोल

मियामी । एमएलएस रेगुलर सीजन में इंटर मियामी सीएफ और सैन डिएगो एफसी के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। इंटर मियामी को इस मैच में एक अंक मिला। टीम के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने गोल किए। मेहमान टीम सैन डिएगो एफसी ने मैच के 12वें मिनट में एंडर्स ड्रायर के गोल की मदद से बढ़त हासिल की। इसके बाद 24वें मिनट में लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी की ओर से शानदार गोल दागते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मेसी की फ्री-किक सीधे गोल के ऊपरी बाएं कोने में गई और गोलकीपर उसे रोक नहीं पाया। यह मेसी का इस सीजन का 20वां गोल रहा। वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। इसके साथ ही मेसी एमएलएस इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार तीन सीजन में 20 या उससे अधिक गोल किए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि एलएएफसी के डेनिस बुआंगा ने 2023 से 2025 के बीच हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स 2026:

भारत ने पाकिस्तान को धोया

कबड्डी-हॉकी में भी छाए भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भारतीय खिलाड़ी कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स, वुशू, हॉकी, निशानेबाजी, तैराकी, सॉफ्ट टेनिस, बॉक्सिंग और सेपक टकरा जैसे इवेंट्स में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं. एशियन गेम्स 2026 के पहले दिन भारत ने दो सिल्वर मेडल जीते थे. सोनम मस्कर, इलावेलिन वलारिवन और विदर्सा विनोद की तिकड़ी ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भारत को रजत पदक दिलाया. फिर इलावेलिन वलारिवन ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल इंडिविजुअल इवेंट में भी सिल्वर पर निशाना साधा.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी बांग्लादेश को 114 रनों से हराकर फाइनल का टिकट

हासिल किया. अब विमेंस क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में भारत की टक्कर श्रीलंका से 22 सितंबर को होगी. हॉकी, टेबल टेनिस में भी भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा. मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में सुचिका तारियाल ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया. तैराकी, वुशू और टेकबॉल में भारतीय खिलाड़ियों ने निराश किया. भारत और पाकिस्तान के बीच हुए दोनों मुक़ाबलों में खेल भावना देखने को मिली. इससे पहले भारतीय महिला टीम ने भी अपने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ गर्मजोशी से हाथ मिलाया. बाद में भारत की 3-0 से शानदार जीत के बाद पायस जैन और पाकिस्तान की टीम ने भी नेट के पास हाथ मिलाया ।

ओडिशा टी20 लीग

गौरव चौधरी ने खेली धमाकेदार पारी

संबलपुर वॉरियर्स ने कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया

कटक । संबलपुर वॉरियर्स ने ओडिशा टी20 लीग की शुरुआत जीत के साथ की है । टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बाराबती स्टेडियम में कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया । पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 193 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए । टीम के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 88 रनों की दमदार पारी खेली । उन्होंने अपनी इस पारी में 9

चौके और 6 छक्के लगाए । गौरव चौधरी को शांतनु मिश्रा का अच्छा साथ मिला, और दोनों ने मिलकर 135 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप की । आउट होने से पहले शांतनु ने 40 गेंदों में 60 रन बनाए, जबकि गौरव तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे । हालांकि, कप्तान के पवेलियन लौटने के बाद वॉरियर्स की पारी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए । हालांकि, इसके बावजूद टीम 193 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही । अभिषेक सिंह कटक पैंथर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए ।

यहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं, जापान के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा: अय्यर

सानो (जापान), एजेंसी । भारत और जापान की पुरुषों क्रिकेट टीम के बीच मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऐतिहासिक टी20 मैच खेला जाना है, लेकिन सोमवार को तेज बारिश के कारण भारत का ट्रेनिंग सेशन रद्द करना पड़ा। हालांकि, कप्तान श्रेयस अय्यर मेजबान जापान के खिलाफ भारतीय पुरुष क्रिकेट इतिहास के पहले टी20 मैच को लेकर पूरे जोश में हैं। उन्होंने इस मुकाबले को एक नई जगह पर 'रोमांचक चुनौती' बताया है। मुकाबले से पहले अय्यर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, 'यह हमारे लिए एक रोमांचक और दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। ऐसा पहली बार है, जब हम जापान के विरुद्ध खेलेंगे। मुझे वहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन एक शानदार मैच की उम्मीद है।' भारतीय टीम पहली बार जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलने जा रही है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने जापानी खिलाड़ियों के बारे में जानने के लिए वीडियो फुटेज और डिजिटल क्लिप्स का सहारा लिया।

कप्तान अय्यर ने कहा, 'मैंने इधर-उधर कुछ वीडियो क्लिप्स देखी हैं। लेकिन हां, हम खिलाड़ियों के बारे में और जानकारी हासिल करेंगे और कल के मैच के लिए बहुत उत्साहित हैं। उम्मीद है कि बारिश नहीं होगी और स्टेडियम में आने वाले सभी दर्शकों को एक अच्छा, कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।' अय्यर ने यह भी बताया कि कैसे वे देश जहां पारंपरिक रूप से क्रिकेट नहीं खेला जाता था, अब तेजी से इस खेल को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन हां, अब हर देश में क्रिकेट लोकप्रिय हो रहा है और सभी टीमें अपने-अपने तरीके से मजबूत हो रही हैं। इसलिए मुझे यकीन है कि कल का मैच भी रोमांचक होगा।' भारतीय टीम के लिए जापान का दौरा पारंपरिक विदेशी दौरों से बिल्कुल अलग अनुभव है। कप्तान ने कहा, 'निश्चित रूप से यह ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जाने के हमारे पुराने अनुभवों से बिल्कुल अलग है। यह हमारा पहला दौरा है, और यहां की संस्कृति और लोगों का अनुशासन का तरीका बहुत अलग है। मुझे नई संस्कृतियों को अपनाना और वहां के माहौल व रहने-सहने के तौर-तरीकों में जल्द से जल्द ढलना पसंद है। इसलिए यह हमारे लिए एक नई चुनौती है, और हम निश्चित रूप से इसके लिए उत्साहित हैं। हमने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और जापान के बीच दोस्ती मजबूत हुई है। उम्मीद है कि सब अच्छा होगा।

एशियन गेम्स 2026:

सुचिका तारियाल 700 ग्राम ज्यादा वजन की वजह से हारीं मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स खिलाड़ी सुचिका तारियाल ने भारत को एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल तो जिता दिया लेकिन इस खिलाड़ी का गोल्ड जीतने का सपना टूट गया. बड़ी बात ये है कि सुचिका खराब खेल की वजह से मैच नहीं हारी, बल्कि एक नियम ने उन्हें सेमीफाइनल से बाहर कर दिया. सुचिका को प्वाइंट्स के आधार पर नहीं बल्कि वजन के आधार पर हार झेलनी पड़ी. आइए आपको बताते हैं क्या है सुचिका तारियाल का 700 ग्राम वजन का विवाद, आखिर क्यों फूट-फूटकर रोने को मजबूर हुई भारतीय खिलाड़ी?

सुचिका तारियाल की विवादित हार – सुचिका तारियाल 60 किलो वर्ग के सेमीफाइनल में सिंगापुर की हुई हून तेओ से भिड़ रही थीं. दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा. रेगुलेशन टाइम और ओवरटाइम के बाद भी जज ये फैसला नहीं कर सके कि जीता कौन? शुरू में जजों ने तेओ को विजेता घोषित

किया लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने विरोध जताया. भारत ने 1000 डॉलर फीस देकर फैसले पर दोबारा विचार करने की कार्यवाही कराई और नए जजों ने फुटेज देखने के बाद मुकाबले को ड्रॉ घोषित किया. लेकिन मुकाबला ड्रॉ होने के बावजूद सुचिका हार गईं.

इस नियम की वजह से हारीं सुचिका – एशियन मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के नियमों के मुताबिक जब मुकाबला ड्रॉ रह जाए और दूसरे टाई-ब्रेकर भी बराबर हों तो सुबह के वजन के आधार पर फैसला होता है. नियम के मुताबिक हल्का वजन वाला खिलाड़ी विजेता माना जाता है. सुचिका का वजन लगभग 59.2 किग्रा था, जबकि तेओ का वजन 58.5 किग्रा था , यानी सुचिका का वजन 700 ग्राम ज्यादा था. इसी वजह से तेओ को फाइनल का टिकट दे दिया गया और सुचिका को ब्रॉन्ज मेडल मिला. सुचिका इस फैसले से बेहद नाराज और दुखी हुईं. वो मैट पर ही फूट-फूटकर रोने लगी. इस खिलाड़ी ने शुरुआत में रेफरी और विरोधी खिलाड़ी से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था. सुचिका ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को एमएमए में पहला मेडल तो दिलाया लेकिन सच ये है कि वो गोल्ड मेडल के मौके से चूक गईं.

एशियन गेम्स 2026:

भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने जीत के साथ किया आगाज, एकतरफा मुकाबले में जापान को 49-23 से हराया

नागोया, एजेंसी । एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन को मेजबान जापान को एकतरफा अंदाज में 49-23 से हराया। भारतीय टीम का पूरे मैच में दबदबा देखने को मिला। टीम के रेडर्स शानदार लय में दिखाई दिए, तो डिफेंडर्स ने भी जापान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय रेडर्स के सामने जापान का डिफेंस बेहद कमजोर नजर आया। भारतीय रेडर्स जापान के डिफेंस को भेदते हुए लगातार प्वाइंट्स हासिल करते रहे। पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरे तरह से हावी रहे। शुरुआत से ही रेडर्स ने जापान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, जिसका फायदा टीम इंडिया को मिला। आशू मलिक ने एक साथ जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट करते हुए सुपर रेड लगाई। आशू रेड में भारत के लिए लगातार प्वाइंट्स निकालते रहे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को पहले हाफ में ही दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31-9 की बड़ी बढ़त के साथ किया। हालांकि, दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की और तेजी से प्वाइंट्स हासिल करने शुरू किए। भारत ने दूसरे हाफ में पवन सहरावत और अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को उतारा। अर्जुन ने आते के साथ ही प्वाइंट हासिल किया। इसके बाद भारतीय टीम एक बार फिर जापानी टीम को ऑलआउट करने में सफल रही। अंत में जापान के डिफेंस ने अच्छा खेल दिखाते हुए भारत के रेडर्स की कई रेडों को नाकाम किया लेकिन तब तक भारतीय टीम बहुत बड़ी बढ़त हासिल कर चुकी थी। आशू मलिक और राहुल भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले में जीत के नायक रहे। अगले मैच में टीम इंडिया की भिड़ंत अब मंगलवार को साउथ कोरिया से होगी। भारतीय टीम अपनी इसी फॉर्म को साउथ कोरिया के खिलाफ भी जारी रखने के इरादे से उतरेगी।

आईएसएल में नई शुरुआत:

करण यादव बने नए सीईओ , क्लब-आधारित मॉडल के नए दौर में पहुंची लीग

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग ने सोमवार को करण यादव को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया। भारतीय फुटबॉल में क्लब-आधारित नए दौर की शुरुआत के बीच यादव को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह लीग ऑफिस की कमान संभालने के साथ कमर्शियल ग्रोथ, ब्रॉडकास्ट रणनीति और फैंस के साथ जुड़ाव को मजबूत करने पर काम करेंगे।

करण यादव ने नई भूमिका पर क्या कहा?

यादव ने आईएसएल की नई व्यवस्था और अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, आईएसएल एक महत्वपूर्ण नए अध्याय में प्रवेश कर रही है और मैं आगे की दिशा तय करने में योगदान देने के इस अवसर को लेकर उत्साहित हूं।

कोहली-डिविलियर्स नहीं : इस युवा खिलाड़ी की स्किल चुराना चाहते हैं सूर्यकुमार ! कम उम्र में ही बनाए कई रिकॉर्ड्स

मुंबई, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है। अब सूर्यकुमार यादव ने भी उनकी तारीफ की है। दूसरे क्रिकेटर की एक स्किल हासिल करने के सवाल पर सूर्यकुमार ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गजों के बजाय सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने उस खिलाड़ी का नाम बताया है, जिसकी एक खास स्किल वह अपने खेल में चाहते हैं। हैरानी की बात यह रही कि उन्होंने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे बड़े नामों के बजाय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को चुना। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि वह किसी दूसरे क्रिकेटर की कौन सी स्किल अपने अंदर लेना चाहेंगे, तो उन्होंने सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' को दिए इंटरव्यू में सूर्यकुमार ने

कहा, 'एक युवा लड़का है, आपने उसका नाम जरूर सुना होगा- वैभव सूर्यवंशी। निश्चित रूप से उसकी छक्के लगाने की क्षमता।'

आईपीएल 2026 में 72 छक्के लगाए थे – वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया।

जॉनसन-स्टेनलेक बाहर ,एडवर्ड्स को मौका, साउथ अफ्रीका से वनडे से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम में बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज जैक एडवर्ड्स साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल होने के बाद वनडे में डेब्यू करने के करीब हैं। ऑलराउंडर अभी भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ पुडुचेरी में हैं। यहां से डरबन जाएंगे। गुरुवार को पहला वनडे है। वह इंडिया ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ऑस्ट्रेलिया के चार दिन के मैच की तैयारी कर रहे थे। तेज गेंदबाज बिली स्टेनलेक जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान साइड स्ट्रेन के बाद सीरीज से बाहर हो गए हैं।

स्टेनलेक अपने पांचवें ओवर के बीच में चोटिल हो गए। ऑस्ट्रेलिया लौटने के बाद उनका स्कैन होगा। इस बीच स्पेंसर जॉनसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे में से दो में खेलने के बावजूद टीम से रिलीज कर दिया गया है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को चोट नहीं लगी है, लेकिन मैनेजमेंट को लगा की साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनकी जरूरत नहीं होगी। वह अगले महीने पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए टीम से तीन 50-ओवर के मैच के लिए जुड़ेंगे।

पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की टीम से जुड़ेंगे – जॉनसन 18 महीने के अंतराल के बाद वनडे क्रिकेट में लौटे और रविवार को जिम्बाब्वे पर ऑस्ट्रेलिया की रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो विकेट लिए और आखिरी विकेट के लिए 27 रन की साझेदारी में योगदान दिया। पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क डरबन में ऑस्ट्रेलियी की टीम से जुड़ेंगे। नाथन एलिस, जोश हेजलवुड और जेवियर बार्टलेट दूसरे पेस ऑप्शन होंगे। वनडे मैच 24, 27 और 30 सितंबर को डरबन, जोहान्सबर्ग और पोटचेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे।

पहली बार ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शख्सियत का किरदार निभाने जा रही हैं रश्मिका मंदाना

भारत की महान कर्नाटक शास्त्रीय गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की असाधारण जिंदगी और संगीत के सफर पर आधारित इस बहुप्रतीक्षित बायोपिक में उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा, उपलब्धियों और संगीत की अमिट विरासत को पर्दे पर उतारा जाएगा। फिल्म में रश्मिका मंदाना एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की भूमिका निभाएंगी, जबकि गौतम तिन्ननुरी निर्देशन और अनिरुद्ध रविचंदर संगीत की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनकी 110वीं जयंती पर चेन्नई में फिल्म का आधिकारिक लॉन्च किया गया। फिल्म में रश्मिका मंदाना एम. एस. सुब्बुलक्षमी का किदार निभाएंगी, जबकि गौतम तिन्नानुरी इसका निर्देशन करेंगे। वहीं, फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर तैयार करेंगे। फिल्म को गौतम तिन्ननूरी निर्देशित कर रहे हैं जो 'Jersey' और 'Kingdom' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। कहानी में सुब्बुलक्ष्मी के जीवन के अलग-अलग दौर और उनके असाधारण संगीत करियर को दिखाने की बात सामने आई है। फिल्म की रिलीज डेट, पूरा टाइटल और स्टार कास्ट की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। शुरुआती रिपोर्टों में पहले साई पल्लवी और दूसरी एक्टर्स के नाम भी सामने आए थे, लेकिन अब रश्मिका मंदाना की कास्टिंग आधिकारिक रूप से घोषित हो चुकी है।

लॉन्च से जुड़ी सबसे बड़ी खबरों में से ये कनफर्म है कि अनिरुद्ध रविचंदर एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी बायोपिक के लिए संगीत तैयार करेंगे। तमिल और तेलुगु सिनेमा में अपने काम के लिए मशहूर यह संगीतकार अब भारत की सबसे प्रतिष्ठित शास्त्रीय गायिकाओं में से एक की कहानी पर आधारित फिल्म के लिए संगीत बनाने की चुनौती लेंगे। अनिरुद्ध के जुड़ने से इस प्रोजेक्ट में एक और बड़ा नाम शामिल हो गया है, जो पहली बार रश्मिका मंदाना और गौतम तिन्नानुरी को एक साथ ला रहा है। कमल हासन मुख्य अतिथि के तौर पर लॉन्च इवेंट में शामिल हुए, जिससे इस मौके की अहमियत और बढ़ गई।

रश्मिका मंदाना मशहूर गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी, जो भारत की शास्त्रीय संगीत परंपरा की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक हैं। एक्ट्रेस को चुनने को लेकर पहले ही काफी दिलचस्पी पैदा हो गई थी, क्योंकि प्रोजेक्ट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट से पहले ही इस रोल के लिए अन्य एक्टर्स के बारे में खबरें आ रही थीं। रश्मिका अब सुब्बुलक्ष्मी की पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी को पर्दे पर लाने की जिम्मेदारी संभालेंगी। इस फिल्म को पैन-इंडिया प्रोजेक्ट के तौर पर प्लान किया जा रहा है। जबकि सहायक कलाकारों, कहानी और टैकनिकल टीम के अन्य सदस्यों के बारे में और जानकारी बाद में सामने आने की उम्मीद है।

रश्मिका के लिए खास है यह रोल

रश्मिका पहली बार एक ऐसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शख्सियत का किरदार निभाने जा रही हैं, जिसकी पहचान मुख्य रूप से कर्नाटक शास्त्रीय संगीत से जुड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस भूमिका को अपने लिए सम्मान की बात बताया है। फिल्म का पहला लुक और आधिकारिक टाइटल भी लॉन्च के आसपास सामने आने की उम्मीद है।

अक्षय की फिल्म 'समुक' में हुई विनीत की एंट्री

अक्षय कुमार की आने वाली साइंस फिक्शन फिल्म 'समुक' इन दिनों चर्चा में है। इससे जुड़ी कई नई अपडेट के बीच अब खबर है कि एक्टर विनीत कुमार सिंह भी इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 'मुक्काबाज', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'छावा' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले विनीत फिल्म में एक अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। सूत्रों का कहना है कि उनका किरदार अक्षय के किरदार के साथ एक बड़े मिशन का हिस्सा होगा। दोनों के किरदारों के बीच मजबूत रिश्ता भी देखने को मिल सकता है।

रसिका ने याद किया स्ट्रगल का दौर

ओटीटी ने दिलाई पहचान

अभिनेत्री रसिका दुग्गल हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में गई थीं। इस शो में उन्होंने करियर, स्ट्रगल, शादी और कॉलेज के दिनों के बारे में बात की। एपिसोड में नेहा धूपिया ने रसिका दुग्गल के कामों की तारीफ करते हुए कहा, 'रसिका, तुम खुद एक जॉनर बन गई हो और यह कमाल की बात है।' बातचीत में रसिका दुग्गल ने उस पल के बारे में भी बताया जब उन्हें लगा कि इंडस्ट्री में अब उनकी जगह बन गई है। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें सच में कब लगा कि वह इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, तो रसिका ने उस दौर को याद किया जब उनके काम में निरंतरता आने लगी थी। रसिका दुग्गल ने कहा, 'जब से मेरे काम में निरंतरता आई, वह 2016-17 के बीच का समय था। मैं 2006 में एफटीआईआई से निकली थी, तो इसके पूरे 10 साल बाद ऐसा हुआ। बीच में भी ऐसे काम मिलते रहे, जिन्होंने मुझे हिम्मत दी और बनाए रखा लेकिन वे 2016 के बाद किए गए काम जितने चर्चित नहीं थे।'

रसिका ने इस निरंतर दौर से पहले की कुछ फिल्मों को भी याद किया, जिनमें 'किस्सा' और 'क्षय' जैसी फिल्में शामिल थीं, जिन्होंने उन्हें इंडस्ट्री के बेहतरीन टैलेंट के साथ काम करने का मौका दिया। हालांकि, उन्होंने बताया कि 2016 के बाद के समय में बड़ा बदलाव आया, जब उन्हें लगातार कई प्रोजेक्ट मिलने लगे। उन्होंने कहा, '2016 के बाद ही 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे काम और कुछ दूसरे प्रोजेक्ट लगातार मिलने लगे और इसकी बड़ी वजह ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का आना था। तब मुझे लगा कि यह किसी आंदोलन जैसा था।'

रसिका की लेटेस्ट रिलीज 'मिर्जापुर: द मूवी' है। भारतीय एक्शन क्राइम थ्रिलर फिल्म में रसिका दुग्गल बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभाया है। यह फिल्म 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए और बड़े कैनवस पर पेश किया गया। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिलेंगे, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे। फिल्म में मुन्ना भैया और कालीन भैया के व्यवहार से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब और किरदारों की बैकस्टोरी भी देखने को मिले। फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। 'मिर्जापुर द मूवी,' पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुगल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में दिखेंगे।

कहानी और क्रिएटिविटी में टीवी, फिल्मों और ओटीटी से काफी पीछे है

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने टीवी इंडस्ट्री को लेकर चल रही बहस के बीच रोहित रॉय के हालिया विवादित बयान पर अपनी राय रखी है। रोहित ने अपने एक इंटरव्यू में टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' तक कह दिया था और मौजूदा टीवी कंटेंट की क्वालिटी, कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। अब चाहत खन्ना ने भी माना है कि अगर बात कहानी और क्रिएटिविटी की हो तो टीवी इस समय फिल्मों और ओटीटी से काफी पीछे है। हालांकि, चाहत ने यह भी साफ किया कि उन्होंने रोहित का पूरा इंटरव्यू नहीं देखा है, इसलिए वह उनके पूरे बयान पर कमेंट नहीं करना चाहतीं। खास बातचीत में चाहत ने कहा, ''मैं खुद टीवी से आई हूं और इस माध्यम की बहुत इज्जत करती हूं। टीवी ने मुझे एक एक्टर के तौर पर मजबूत बनाया है। यहां एक्टर्स को लंबे समय तक लगातार शूटिंग करनी पड़ती है। कई बार 12 से 15 घंटे तक शूट करना सामान्य बात लगती है। फिल्मों में काम करने का तरीका अलग है और वहां क्रिएटिविटी को अलग तरह से ट्रीट किया जाता है। वहीं ओटीटी में भी कहानी की डिटेलिंग और क्रिएटिविटी का तरीका टीवी से काफी अलग है।''

एक्ट्रेस ने रोहित रॉय की बात के उस हिस्से से सहमति जताई, जिसमें उन्होंने टीवी के मौजूदा कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। चाहत ने कहा, ''अगर कहानी और क्रिएटिविटी की बात की जाए तो टीवी को अभी काफी आगे जाने की जरूरत है। टीवी का कंटेंट मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। दर्शक जिस तरह की कहानियां और शोज देखना चाहते हैं, मेकर्स भी उसी डिमांड के हिसाब से कंटेंट बनाते हैं। यह पूरी तरह बिजनेस का हिस्सा है। अगर किसी तरह का कंटेंट बड़ी संख्या में लोग देख रहे हैं, तो उसे बार-बार बनाए जाने के पीछे एक मार्केट डिमांड भी होती है।'' चाहत ने अपने करियर का उदाहरण देते हुए बताया, ''मुझे कई ऐसे टीवी शोज के ऑफर मिलते हैं, जिनसे मैं खुद कनेक्ट नहीं कर पाती। खासतौर पर 'नागिन' जैसे शोज, जिनसे मैं जुड़ नहीं पाती। अगर कोई एक्टर क्रिएटिव है तो उसके लिए टीवी के कुछ मौजूदा कॉन्सेप्ट से जुड़ना मुश्किल हो सकता है।''

चाहत ने आगे कहा, ''अगर मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स से जुड़ पाती तो शायद करियर के लिए चीजें और बेहतर होती। जो चीज मुझे पसंद आती है और जिससे मैं खुद जुड़ाव महसूस करती हूं, वही काम करना मेरे लिए ज्यादा जरूरी है।''

फिल्म 'द वन' का अनोखा कॉन्सेप्ट सुनते ही तैयार हुई थीं एकता कपूर

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की अगली फिल्म 'द वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट है। इसकी कहानी बिहार की धरती से निकली है। टीवीएफ के फाउंडर अरुणाभ कुमार ने एक हालिया मीडिया इंटरव्यू में खुलासा किया है कि यह आइडिया उन्हें तब आया जब उन्होंने पटना के पास स्थित वन देवी मंदिर का दौरा किया था। स्थानीय पुजारियों और ग्रामीणों से बातचीत के दौरान उन्हें पता चला कि वन देवी मंदिर 16वीं शताब्दी में बनाया गया था। इस मंदिर के इर्द-गिर्द के जंगल को लेकर सदियों से एक अनकही मान्यता चली आ रही है कि सूर्यास्त के बाद वहां जाना वर्जित है।

अरुणाभ ने करीब दो साल पहले यह किस्सा 'पंचायत' फेम डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा को सुनाया था। दीपक को यह अनोखा कॉन्सेप्ट इतना पसंद आया कि वे इसे लेकर सीधे एकता कपूर के पास पहुंचे और एकता ने भी इसे बड़े परदे पर उतारने का मन बना लिया। निर्देशक दीपक के मुताबिक, इस फिल्म को बनाते वक्त उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती उस दुनिया को रचना था, जो आज के समय जैसी भी लगे और जंगल के रहस्यमय माहौल को भी सही तरीके से दिखा सके।'

फिल्म में हैवी एनिमेशन और विजुअल इफेक्ट्स भी दिखेंगे

कहानी को जीवंत बनाने के लिए हैवी एनिमेशन और विजुअल इफेक्ट्स का सहारा लिया गया है। फिल्म को शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अरुणाभ कुमार और नीरज कोठारी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

विक्रांत मैसी ने बताई सक्सेस की नई परिभाषा

कहा-सफलता का मतलब पैसा नहीं, अच्छा स्वास्थ

अभिनेता विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता का मानना है कि कुछ मामलों में सफलता की परिभाषा में काफी बदलाव देखने को मिले हैं। अभिनेता ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि आज सफलता सिर्फ करियर या पैसे तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें अच्छी सेहत, मन की शांति और खुशहाल जिंदगी जीना भी शामिल है। विक्रांत मैसी ने कहा, '20 साल पहले हम मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात नहीं करते थे। आज इन चीजों पर खुलकर चर्चा हो रही है क्योंकि कहीं न कहीं हम सब समझ गए हैं कि सेहत ही सबसे बड़ी दौलत है।' अभिनेता ने जोर देते हुए कहा कि अगर आप स्वस्थ हैं, तो सफल हैं। उन्होंने कहा, 'भले ही आपके पास बड़ा घर न हो लेकिन अगर आप रात को चैन से सो पा रहे हैं, नींद की गोलियां नहीं लेनी पड़ रही हैं और आपके घर में बड़ों का सपोर्ट है, तो आप सफल हैं।'

अभिनेता विक्रांत मैसी ने कहा कि दुनिया काफी तेजी से बदल रही है, जिसका असर लोगों की सोच और सपनों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'आज सफलता का मतलब कुछ और ही है और टेक्नोलॉजी की तरह यह भी तेजी से बदलने वाला है। दुनिया जिस रफ्तार से आगे बढ़ रही है, उसका हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। आज कोई हुनर सीखते हैं, कल वही बेकार हो जाता है। दुनिया इसी स्पीड से चल रही है।' अभिनेता हाल ही में वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना के साथ नजर आए थे। यह सीरीज आधुनिक रिश्तों, भावनाओं और सपनों की खींचतान को बहुत ही सहजता से दिखाती है।

विजय स्टारर 'मटका किंग' के दूसरे सीजन की तैयारी शुरू

विजय वर्मा की वेब सीरीज 'मटका किंग' अब दूसरे सीजन के साथ वापसी करने जा रही है। विजय वर्मा ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। एक्टर ने दूसरे सीजन की पहली कड़ी की स्क्रिप्ट की तस्वीर साझा की है। इसका नाम 'एक और बाजी' रखा गया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि दूसरे सीजन का काम शुरू हो चुका है। 'मटका किंग' के दूसरे सीजन में विजय एक बार फिर बृज भट्टी के किरदार में नजर आएंगे। पहले सीजन की पूरी कहानी इसी किरदार के आसपास आगे बढ़ी थी। सीरीज में बृज भट्टी के सफर को दिखाया गया था।

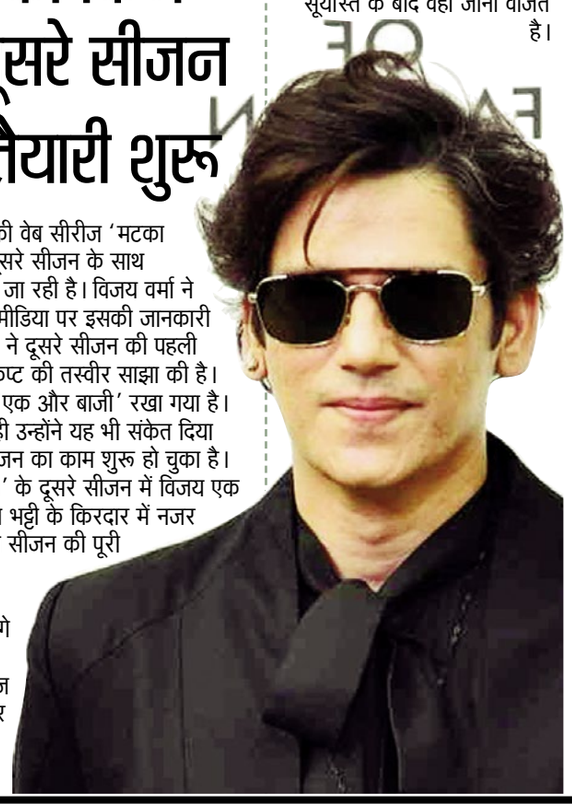

डीएमसी की टीम ने विभिन्न गणेश पंडालों में पहुंचकर बप्पा का लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 सितंबर। डीएमसी की टीम ने आज दमण में स्थापित विभिन्न गणेश पंडालों में पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल ने नेतृत्व में डीएमसी की टीम ने जेटी का राजा, महाराजा का राजा, दमण पुलिस स्टेशन के गणपति बप्पा, दमण का राजा और एकदंत ग्रुप के गणपति बप्पा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर डीएमसी काउंसिलरों ने गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेकर प्रदेश एवं नागरिकों की सुख, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस मौके पर डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल के साथ काउंसिलरों में अस्पी दमणिया, पीयूष पटेल, नीला राणा, प्रवीणा राणा, कपिला ओड, तमन्ना मिठाणी, रश्मी हलपति, भाविका टंडेल उपस्थित रहे। जेटी के राजा का दर्शन करने के दौरान काउंसिलर कल्पेश सीताराम भी मौजूद रहे।

आवश्यकता है

अकाउंटेंट और एडमिन असिस्टेंट

पद: अकाउंटेंट / ऑफिस एडमिन

जानकारी: कंप्यूटर की अच्छी जानकारी, टैली (TALLY) सॉफ्टवेयर में माहिर

योग्यता: किसी भी स्ट्रीम (BA, B.COM, B.SC, BBA, आदि) से ग्रेजुएट या संबंधित पढ़ाई

संपर्क करें: नायक एसोसिएट्स

(9825140618, naikandassociate@yahoo.co.in)

डीएमसी के पूर्व सीओ अरुण गुप्ता ने जेटी के राजा गणपति बप्पा का लियाा आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 सितंबर। दमण नगरपालिका के पूर्व सीओ अरुण गुप्ता ने आज जेटी के राजा गणपति बप्पा के दरबार में पहुंचकर बप्पा के दर्शन किये। इस अवसर पर अरुण गुप्ता ने गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया।

दमण जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा महामंत्री भावेश पटेल ने सपरिवार दमण के राजा का लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 सितंबर। दमण जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा महामंत्री एवं प्रदेश युवा भाजपा नेता भावेश पटेल ने सपरिवार दमण के राजा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर दमण जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा महामंत्री भावेश पटेल, उनकी धर्मपत्नी निरंजना पटेल एवं पुत्र वेद पटेल ने दमण के राजा की आरती उतारी। साथ ही भावेश पटेल ने प्रदेश एवं देश की खुशहाली एवं समृद्धि के लिए गणपति बप्पा के समक्ष प्रार्थना की।

कुंता के सांई दीप सोसायटी में स्थापित भगवान गणेश का श्रीडी भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल एवं दमण जिला पंचायत उपाध्यक्षा रीना पटेल ने लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 सितंबर। कुंता के सांई दीप सोसायटी में संतोष राज कुमार पटेल द्वारा पिछले कई वर्षों से भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर गणेश उत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष भी संतोष राज कुमार पटेल एवं उनकी टीम द्वारा गणेश चतुर्थी के दिन विधि-विधान विघ्नहर्ता भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिदिन भक्तों द्वारा सुबह शाम पूजा एवं आरती की जा रही है। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल एवं दमण जिला पंचायत की उपाध्यक्षा रीना पटेल ने सांई दीप सोसायटी में स्थापित गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर हरीश पटेल और रीना पटेल ने गणपति बप्पा की आरती उतारकर प्रदेश एवं देश की सुख, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर गणेश उत्सव के आयोजक भी मौजूद रहे।

अरुणाचल प्रदेश के नए पीसीसीएफ बने 1996 बैच के आईएफएस अधिकारी संतोष कुमार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, ईटानगर/सिलवासा 21 सितंबर। वर्ष 1996 बैच के भारतीय वन सेवा अधिकारी संतोष कुमार ने आज अरुणाचल प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) एवं वन बल प्रमुख के रूप में पदभार संभाल लिया। उनके लिए यह पदभार ग्रहण करना विशेष भावनात्मक और गौरवपूर्ण अवसर रहा, क्योंकि उनकी सेवा यात्रा की शुरुआत वर्ष 1996 में अरुणाचल प्रदेश से ही हुई थी और करीब तीन दशक बाद वर्ष 2026 में वे इसी राज्य में वन सेवा के सर्वोच्च पद पर पहुंचे हैं। पदभार संभालने के बाद संतोष कुमार ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा यात्रा जो वर्ष 1996 में अरुणाचल प्रदेश से शुरू हुई थी, वह 2026 में मुझे सेवा के सर्वोच्च स्तर पर वापस अरुणाचल प्रदेश ले आई है। भगवान की बहुत कृपा रही है। उन्होंने अपनी इस यात्रा में सहयोग देने वाले सभी वरिष्ठ अधिकारियों, मित्रों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अरुणाचल से शुरू हुआ सफर फिर अरुणाचल पहुंचा: संतोष कुमार ने भारतीय वन सेवा में वर्ष 1996 में अपना करियर अरुणाचल प्रदेश से शुरू किया था। विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं देने के बाद उन्होंने देश के अलग-अलग हिस्सों में वन प्रशासन और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े दायित्व निभाए। लंबे प्रशासनिक एवं वन सेवा अनुभव के बाद अब उन्हें अरुणाचल प्रदेश में पीसीसीएफ एवं एचओएफएफ की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है।

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में भी दे चुके हैं सेवाएं: आईएफएस अधिकारी संतोष कुमार का कार्य अनुभव दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण-दीव से भी जुड़ा रहा है। उन्होंने केंद्रशासित प्रदेश में डीसीएफ के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इसके अलावा वे प्रदूषण नियंत्रण समिति के सदस्य सचिव के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उनके कार्यकाल के दौरान वन, पर्यावरण और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े प्रशासनिक दायित्वों में उनकी भूमिका रही।

अरुणाचल के आईएफएस अधिकारियों ने किया स्वागत: पीसीसीएफ एवं एचओएफएफका पदभार संभालने के बाद अरुणाचल प्रदेश के आईएफएस अधिकारियों ने संतोष कुमार का गर्मजोशी से स्वागत किया। अधिकारियों ने उनके साथ काम करने और राज्य के वन एवं पर्यावरण क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग की भावना व्यक्त की। करीब 30 वर्षों की सेवा यात्रा के बाद अपने करियर के शुरुआती कार्यक्षेत्र अरुणाचल प्रदेश में ही वन विभाग के सर्वोच्च पद पर पहुंचना संतोष कुमार के लिए एक उल्लेखनीय संयोग माना जा रहा है। उनके पदभार ग्रहण से अरुणाचल प्रदेश के वन प्रशासन में उनके अनुभव और नेतृत्व का लाभ मिलने की उम्मीद है।

दीव के साउदवाडी में वणाकबारा के युवक पर चाकू से हमला, अस्पताल में भर्ती

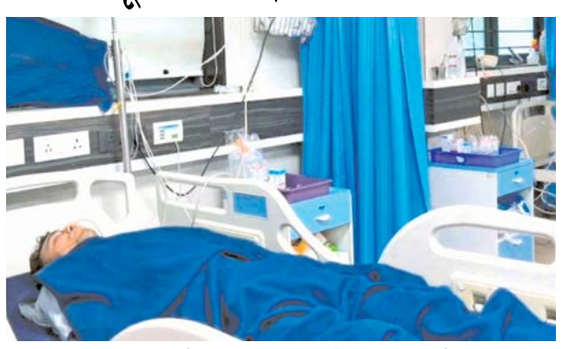

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 सितंबर। दीव के साउदवाडी विस्तार में बिती रात वणाकबारा के एक युवक पर चाकू से हमला किये जाने की घटना सामने आई है। इस घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसे दीव के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद ऊना रेफर कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, साउदवाडी के मेघावाडी विस्तार निवासी पीयूष जेंती को गुजरात के तीन युवाओं द्वारा बातचीत करने के लिए बुलाया गया था। इस दौरान पूर्व के कोई रंजिश के चलते इन युवाओं के बीच बोला-चाली हो गई। परिजनों के मुताबिक, महेश्वरी होटल के पास हुई बोला-चाली के दौरान ऊना के तड गांव के केवल एवं मिराज नाम के दो युवाओं में से मिराज द्वारा चाकू से हमला किया जाने की आशंका जताई गई है। हमला के बाद तीनों युवक वहां से भाग गये। दूसरी तरफ पीयूष लहुलुहान एवं गंभीर घायल अवस्था में देखा गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे दीव के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल पीयूष को अधिक इलाज के लिए ऊना रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी होते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने इस मामले की आगे जांच शुरू कर दी है।

मृतक खलासी संजय वंजारा के आश्रितों को मिली 11.98 लाख रूपये की सहायता बीमा राशि

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 21 सितंबर। समुद्र में अपनी जान गंवाने वाले एक गरीब नाविक के परिवार को संकट की घड़ी में बड़ी वित्तीय राहत मिली है। दीव के वणाकबारा निवासी और मणिबाई नानू के स्वामित्व वाली नाव आई श्री खोडियार कृपा पर कार्यरत 45 वर्षीय खलासी संजय नारायण वंजारा की पिछले साल समुद्र में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस दुर्घटना के बाद बीमा कंपनी द्वारा उनके आश्रितों के लिए 11,98,872 रुपये का मृत्यु दावा मंजूर कर उनके परिवार को सौंप दिया गया है। यह दुर्घटना 20 अगस्त 2025 को उस समय हुई थी, जब वणाकबारा के समुद्र में नाव लंगर उठा रही थी। काम के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण संजय नारायण वंजारा गहरे समुद्र में गिर गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय स्तर पर गहन खोजबीन शुरू की गई। दुर्घटना के अगले दिन यानी 21 अगस्त 2025 को उनका शव बरामद किया गया था। मृतक मूल रूप से महाराष्ट्र के पालघर जिले के घोलवाड दहाणु रोड के रहने वाला था। मृतक नाविक का बीमा निष्ठा इंश्योरेंस एंड सेविंग एडवाइजर पोरबंदर के बीमा सलाहकार गिरीश जी. खोरवा के माध्यम से आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड जूनागढ़ शाखा में कराया गया था। नियमानुसार सभी आवश्यक दस्तावेज और मृत्यु का दावा प्रस्तुत करने के बाद बीमा कंपनी ने तत्परता दिखाते हुए कुल 11,98,872 रुपये की क्लेम राशि को मंजूरी दी। इस स्वीकृत राशि का बैंक चेक मृतक नाविक के कानूनी वारिस और पुत्र जयदीप संजय वंजारा के नाम पर जारी किया गया है। राशि मृतक खलासी की विधवा पत्नी लता संजय वंजारा को बुचरवाड़ा की सरपंच निशाबेन वसंत के हाथों सौंपी गई। इस अवसर पर शिव सागर एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश लाख एवं अन्य स्थानीय नेता विशेष रूप से उपस्थित रहे और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। यह वित्तीय सहायता मृतक की विधवा पत्नी और उनके पूरे परिवार को संकट के इस दौर में जीवन-यापन और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए एक बड़ा संबल प्रदान करेगी।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)